

मुख्यमंत्री की घोषणाओं की समीक्षा, डीसी ने अधिकारियों को दिए समय पर काम पूरा करने के निर्देश

राजपूत रणजीत
हरियाणा: हिसार में मुख्यमंत्री की घोषणाओं के तहत चल रहे विकास कार्यों और लंबित परियोजनाओं को लेकर जिला प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। मंगलवार, 13 अक्टूबर को उपायुक्त महेंद्र पाल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा करने और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने कहा कि विकास योजनाओं की प्रगति केवल सरकारी फाइलों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। अधिकारी नियमित रूप से निर्माण स्थलों का निरीक्षण करें और कार्यों की वास्तविक स्थिति की जांच करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि परियोजनाओं में अनावश्यक देरी और लापरवाही सामने आने पर



संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में हिसार शहर में यू-शेप डिजाइन के तहत प्रस्तावित मल्टी स्टोरी पार्किंग के निर्माण पर चर्चा हुई। इसके अलावा स्टड फार्म के पास प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के टेंडर

में देरी का मुद्दा भी उठाया गया। अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 2025 में हुई टेंडर प्रक्रिया में बदलाव के कारण अब दोबारा टेंडर जारी किया जाएगा। खेल और सामुदायिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया

कि बरवाला में सामुदायिक केंद्र और गांव खरड में कुश्ती हॉल का निर्माण जारी है। कुश्ती हॉल को सितंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, गांव मंगाली में परचेज सेंटर स्थापित करने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है।

नवागत कोतवाल सुनील नागर की अपराधियों को सख्त चेतावनी, अपराध पर होगी कड़ी कार्रवाई

घनश्याम दास
उत्तर प्रदेश: रामपुर मनिहारन शारदीय नवरात्र व आगामी त्योहारों के दृष्टिगत गुरुवार 15 अक्टूबर को कोतवाली कार्यालय में नवागत प्रभारी निरीक्षक द्वारा पत्रकारों संग एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें कोतवाली का कार्यभार संभालने के पर नवामत प्रभारी निरीक्षक सुनील नागर ने क्षेत्र के अपराधिक और असामाजिक तत्वों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले या तो अपनी आदतें सुधार लें, अन्यथा उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई तय है।

कोतवाली परिसर में आयोजित आपसी संवाद के दौरान इंसेक्टर सुनील नागर ने पुलिस की प्राथमिकताएं गिनते हुए कहा कि क्षेत्र में अमन-चैन और कानून का



राज कायम रखना उनकी शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने दो टुक कहा कि थानाक्षेत्र में गोकशी, अवैध नशे की तस्करी, जुआ-सट्टा और महिलाओं के विरुद्ध किसी भी प्रकार के अपराध को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शांति व्यवस्था

बिगाड़ने की साजिश रचने वालों से पुलिस सख्ती से निपटेगी। इसके साथ ही उन्होंने आमजन को आश्वस्त करते हुए कहा कि कानून का पालन करने वाले और पुलिस का सहयोग करने वाले सभ्य नागरिकों को पूरा मान-सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने

समाचार पत्रों के माध्यम से स्थानीय गणमान्य लोगों से अपील की कि वे अपराध और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखें और बिना किसी डर के निर्भीक होकर पुलिस को गोपनीय सूचना दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी। बैठक के दौरान नवागत कोतवाल ने स्थानीय मीडियाकर्मीयों से क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं और संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा कर उनके त्वरित निस्तारण का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार कुशलपाल चौधरी, ताहिर मलिक, राजन गुप्ता, विपुल जैन, पारस चौधरी, सुशील शर्मा, रजनीश चौधरी, वरदान कबीर, आस मोहम्मद सैफी, नाजिम अहमद, योगेश कुमार गोयल, अरुण गुप्ता एवं घनश्याम दास सहित अन्य कई पत्रकार उपस्थित रहे।

ऊषा उपाध्याय के भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष बनने पर पदाधिकारियों ने जताई खुशी

घनश्याम दास
उत्तर प्रदेश: रामपुर मनिहारन में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष ऊषा उपाध्याय के मनोनयन पर संगठन की पदाधिकारियों ने खुशी जताई और उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महिला मोर्चा की वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश सरकार में संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी से देवबंद रोड स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यमंत्री को पुष्पचूड़ भेंट किया और ऊषा उपाध्याय को जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर हर्ष व्यक्त किया।



इस दौरान महिला मोर्चा की पूर्व जिला उपाध्यक्ष बबली देवी, वर्तमान जिला मंत्री एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष गीता राणा, पूर्व जिलाध्यक्ष रक्षा नामदेव और भाजपा जिला कार्यकारिणी की

उपाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रही। मुलाकात के दौरान संगठन के विस्तार और महिला सशक्तिकरण को लेकर भी चर्चा की गई। महिला मोर्चा की

पदाधिकारियों ने कहा कि ऊषा उपाध्याय के नेतृत्व में सहारनपुर जिले में संगठन और अधिक मजबूत होगा। साथ ही केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने में महिला कार्यकर्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी ने सभी पदाधिकारियों को संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दिलशेर, साहब सिंह, सुफियान, मनोज उपाध्याय सहित संगठन से जुड़े अन्य कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रूपी सोरेन के निधन पर शमशाद अंसारी ने जताया शोक, नेमरा पहुंचकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की मुलाकात

शाहिद अफरीदी
झारखंड: हजारीबाग झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता रूपी सोरेन के निधन पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष शमशाद अंसारी ने शोक व्यक्त किया। वह नेमरा पहुंचे, जहां उन्होंने दिवंगत रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और शोक संतप्त परिवार के प्रति सहानुभूति जताई। शमशाद अंसारी ने रूपी सोरेन के निधन को परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि मां का साया उठ जाना किसी भी परिवार के लिए बेहद दुखद होता है। इस कठिन समय में परिवार को इस पीड़ा से उबरने के लिए धैर्य और हिम्मत की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात के दौरान शमशाद अंसारी ने उनके प्रति अपनी संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में वह शोकाकुल परिवार के



साथ खड़े हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि परिवार के सभी सदस्यों को इस कठिन परिस्थिति का सामना करने की शक्ति मिले। नेमरा पहुंचकर श्रद्धांजलि देने और मुख्यमंत्री से मुलाकात करने के दौरान शमशाद अंसारी ने परिवार के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत रूपी सोरेन के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति की कामना की। इस शोकपूर्ण अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री और उनके परिजनों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत रूपी सोरेन के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति की कामना की।

हिसार में स्वच्छता नियमों के उल्लंघन पर 6 दुकानदारों के चालान, 2,800 रुपये जुर्माना

राजपूत रणजीत
हरियाणा: हिसार में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने और प्रतिबंधित प्लास्टिक के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए नगर निगम ने जांच अभियान चलाया। मंगलवार, 13 अक्टूबर को नई सब्जी मंडी रोड और डाबड़ा चौक के आसपास निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले छह दुकानदारों के चालान किए गए। निगम की टीम ने इन पर कुल 2,800 रुपये का जुर्माना लगाया। यह अभियान निगमायुक्त सी. जयाश्रद्धा के निदेशों और अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा के



मार्गदर्शन में चलाया गया। सीटीएल प्रदीप जाखड़ और तकनीकी विशेषज्ञ जसबीर कुंड़ के नेतृत्व में टीम ने दुकानों की जांच की। निरीक्षण के दौरान तीन दुकानदार प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक और

उपायुक्त ने पुलिस प्रशिक्षण केंद्र के लिए उपयुक्त भूमि चिह्नित करने, अग्रोहा में संग्रहालय स्थापित करने और हिसार हवाई अड्डा परिसर में महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा लगाने से संबंधित कार्यवाही जल्द पूरी करने के निर्देश भी दिए। महेंद्र पाल ने अधिकारियों से कहा कि भूमि, बजट या प्रशासनिक मंजूरी से जुड़ी समस्याओं की जानकारी तत्काल जिला प्रशासन को दी जाए, ताकि उनका समाधान किया जा सके। उन्होंने विकास कार्यों में गुणवत्ता और सरकारी संसाधनों के उचित उपयोग को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त शालिनी चेतल, एसीयूटी विवेक यादव, नगराधीश रोहित कुमार और सीएमजीएफ अमोल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

वडोदरा के यूनाइटेड वे गरबा ग्राउंड में मोबाइल चोरी की घटनाओं से मचा हड़कंप, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

राजपूत रणजीत
गुजरात: वडोदरा गुजरात के वडोदरा स्थित मशहूर यूनाइटेड वे ऑफ बड़ौदा गरबा ग्राउंड में नवरात्रि की पहली रात मोबाइल फोन चोरी होने की कई घटनाएं सामने आईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस दौरान 20 से 30 या उससे अधिक मोबाइल फोन चोरी होने की आशंका जताई गई। गुजरात: वडोदरा गुजरात के वडोदरा स्थित मशहूर यूनाइटेड वे ऑफ बड़ौदा गरबा ग्राउंड में नवरात्रि की पहली रात मोबाइल फोन चोरी होने की कई घटनाएं सामने आईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस दौरान 20 से 30 या उससे अधिक मोबाइल फोन चोरी होने की आशंका जताई गई। पुलिस को शुरूआती तौर पर 12 शिकायतें मिलीं, जबकि शिकायतों की संख्या बढ़ने की संभावना बताई गई। जानकारी के अनुसार, गरबा ग्राउंड में पानी की बोतलों और विभिन्न स्टॉल के आसपास मौजूद भीड़भाड़ वाले इलाकों में मोबाइल चोरी की घटनाएं हुईं। फोन चोरी होने के बाद कुछ लोगों को प्रवेश पास से जुड़ी परेशानी का भी सामना करना पड़ा। बताया गया कि मोबाइल में मौजूद व्यूआर कोड वाला एंट्री पास नहीं दिखा पाने के कारण कुछ लोगों को दोबारा मैदान में प्रवेश करने से रोका दिया गया। इससे नाराज गरबा प्रतिभागियों ने आयोजन की सुरक्षा व्यवस्था और प्रबंधन पर सवाल उठाए।



मामले को लेकर अतलादरा पुलिस स्टेशन के अधिकारी पी. यू. पस्तागिया के अनुसार, घटनास्थल पर पुलिस की टीम तैनात की गई। पुलिस की ओर से शिकायतों के आधार पर मामले में कार्रवाई की जा रही है। वहीं, यूनाइटेड वे की रिसोर्स मोबिलाइजेशन कमेटी के अध्यक्ष तारक पटेल ने भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए पानी के स्टॉल बढ़ाने, अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने का भरोसा दिया। मोबाइल चोरी की घटनाओं के बाद आयोजन स्थल पर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

शाहजहांपुर में थार की टक्कर से कक्षा 11 का छात्र घायल, सड़क निर्माण के दौरान सुरक्षा पर उठे सवाल

अभय
उत्तर प्रदेश: शाहजहांपुर शहर में हथौड़ा चौराहे से पुतुलाल रोड पर अरविंद वर्मा हॉस्पिटल के पास थार गाड़ी की टक्कर से कक्षा 11 का एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में छात्र की बैटरी से चलने वाली स्कूटी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद सड़क निर्माण के दौरान यातायात व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, चौक मतानी निवासी वंश कश्यप पुत्र राजीव कश्यप संजय कुमार सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में कक्षा 11 (ए) का छात्र है। बताया जा रहा है कि वह स्कूटी से जा रहा था, तभी अरविंद वर्मा



हॉस्पिटल के पास उसकी थार गाड़ी से टक्कर हो गई। हादसे में छात्र के सिर, कंधे के पास और पीठ में चोटें आईं। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाने की जानकारी सामने आई है। दुर्घटना में शामिल थार का पंजीकरण नंबर PB 08 DU 9981 बताया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों

ने सड़क निर्माण के दौरान लागू वन-वे व्यवस्था और वाहनों की आवाजाही को लेकर चिंता जताई। लोगों का कहना है कि निर्माण स्थलों पर बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेत और यातायात नियंत्रण की पर्याप्त व्यवस्था होना जरूरी है, ताकि स्कूली बच्चों और अन्य राहगीरों को सुरक्षित आवागमन

मिल सके। स्थानीय स्तर पर यह भी बताया जा रहा है कि कुछ महीने पहले इसी तरह की एक अन्य दुर्घटना में कक्षा 9 के छात्र की मौत हुई थी। हालांकि, पिछली घटना और मौजूदा हादसे के बीच संबंध या निर्माण व्यवस्था की भूमिका को लेकर आधिकारिक पुष्टि सामने आना बाकी है। इस घटना के बाद संबंधित विभागों और यातायात पुलिस से हादसे के कारणों की जांच कराने तथा निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों की समीक्षा करने की मांग उठ रही है। फिलहाल दुर्घटना के लिए जिम्मेदारी तय करने और सुरक्षा व्यवस्था में किसी कमी की पुष्टि के लिए संबंधित अधिकारियों की जांच तथा आधिकारिक जानकारी जरूरी है।

भाजपा को लगा बड़ा झटका, समाजसेवी मनोज जी सामरिया ने थामा कांग्रेस का हाथ

मनोज कुमार खटीक
राजस्थान: गलियाकोट राजस्थान के दूंगरपुर जिले के गलियाकोट क्षेत्र में पंचायत समिति सदस्य के चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी मनोज जी सामरिया ने भाजपा से टिकट नहीं मिलने के बाद कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। उनके इस फैसले से क्षेत्र के राजनीतिक गलियारों में चचाओं का दौर शुरू हो गया है। मनोज जी सामरिया क्षेत्र में लंबे समय से समाजसेवा के कार्यों से जुड़े रहे हैं। स्थानीय स्तर पर उनकी सक्रियता और सामाजिक गतिविधियों के चलते उनकी राजनीतिक भूमिका भी चर्चा में रही है। पंचायत समिति सदस्य के



चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने का निर्णय लिया। उनके इस कदम को आगामी पंचायत समिति चुनाव के लिहाज से महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। चुनाव से पहले राजनीतिक दलों में गतिविधियां तेज होने के बीच मनोज जी

सामरिया का कांग्रेस में जाना क्षेत्र के राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, इसका वास्तविक असर आगामी चुनाव के दौरान ही स्पष्ट होगा। कांग्रेस में शामिल होने से बड़ी चर्चा मनोज जी सामरिया के कांग्रेस में शामिल होने के बाद गलियाकोट

क्षेत्र में उनके समर्थकों और स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच इस घटनाक्रम को लेकर चर्चा हो रही है। उनके इस निर्णय को भाजपा के लिए झटका माना जा रहा है, जबकि कांग्रेस के लिए यह क्षेत्र में अपनी राजनीतिक गतिविधियों को मजबूत करने का अवसर हो सकता है। आगामी पंचायत समिति चुनाव में मनोज जी सामरिया की भूमिका क्या रहेगी और कांग्रेस के साथ उनका राजनीतिक सफर किस दिशा में आगे बढ़ेगा, इस पर सभी की नजरें रहेंगी। फिलहाल उनके दल बदलने से गलियाकोट क्षेत्र का राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। आने वाले दिनों में चुनावी तैयारियों और राजनीतिक गतिविधियों के बीच इस घटनाक्रम का प्रभाव देखने को मिल सकता है।

मां कुष्मांडा देवी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, दीपदान से जगमगाया मंदिर परिसर

अरुण कुमार
उत्तर प्रदेश: नवरात्रि के पावन अवसर पर कांपुर नगर के घाटमपुर स्थित मां कुष्मांडा देवी मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। दीपदान से मंदिर परिसर जगमगा उठा और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं



की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया। इसके साथ ही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग की गई और श्रद्धालुओं को आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया, ताकि दर्शन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। मंदिर में उमड़ी भीड़ के बीच क्षेत्रीय विधायक सरोज कुरील और जिला पंचायत अध्यक्ष स्वर्णि

वरुण भी मां कुष्मांडा देवी के दर्शन करने पहुंचे। दोनों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और मां का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने मंदिर कमेटी के सदस्यों से मुलाकात कर व्यवस्थाओं में उनके योगदान की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। मंदिर कमेटी ने भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग किया। प्रशासन और मंदिर कमेटी के समन्वय से दर्शन-पूजन की व्यवस्था सुचारु बनाए रखने का प्रयास किया गया। नवरात्रि के अवसर पर मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, दीपदान और पूजा-अर्चना ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया।

चुनाव आयोग की विश्वसनीयता कैसे बहाल होगी?

अब तक विपक्षी दल राज्यों में अपने हितों के हिसाब से अलग-अलग संघर्ष करते रहे हैं। चुनावों के समय स्थानीय स्तर पर गठबंधन हो जाते हैं। कई बार संसद में कुछ मुद्दों पर एकता नजर आती है। लेकिन इस मर्तबा चुनावों में धांधली के मुद्दे ने विपक्षी नेताओं को अपने मतभेद, महत्वाकांक्षा और अहंकार से परे हटकर साथ आने के लिए मजबूर किया है।

लम्बे समय बाद भारत में विपक्षी दलों को किसी एक मुद्दे पर एकजुट होते देखा गया है। 12 अक्टूबर को दिल्ली में कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने, एसआईआर को रद्द करने की मांग के लिए सुप्रीम कोर्ट तक कूच किया। इसके बाद कूच में शामिल वरिष्ठ विपक्षी नेताओं ने देश की शीर्ष अदालत में दखिल संयुक्त याचिका में ये मुद्दे उठाए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सभी विरोध प्रदर्शन सिर्फ एक ही प्रोटैस्ट का हिस्सा हैं। यह अप्रत्यक्ष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के एक देश, एक चुनाव के मुद्दे का जवाब है। 2014 के बाद पहली बार विपक्ष को किसी एक मुद्दे पर पूरी ताकत से एक साथ आवाज उठाते देखा गया है।

अब तक विपक्षी दल राज्यों में अपने हितों के हिसाब से अलग-अलग संघर्ष करते रहे हैं। चुनावों के समय स्थानीय स्तर पर गठबंधन हो जाते हैं। कई बार संसद में कुछ मुद्दों पर एकता नजर आती है। लेकिन इस मर्तबा चुनावों में धांधली के मुद्दे ने विपक्षी नेताओं को अपने मतभेद, महत्वाकांक्षा और अहंकार से परे हटकर साथ आने के लिए मजबूर किया है। विपक्ष को अहसास हो गया है कि यदि चुनाव आयोग के खिलाफ मिलकर अभियान नहीं चलाया गया तो उसका अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। इसलिए उसने मैदानी संघर्ष और कानूनी लड़ाई में साथ रहने का रणनीतिक फैसला लिया है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर संकट के बीच यह घटनाक्रम अच्छा संकेत है।

चुनाव आयोग करोड़ों वोटों का हक छीन रहा है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने निर्णायक हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं समझी थी। उसने बिहार में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि पूरी प्रक्रिया कानून की दृष्टि से जायज है। एसआईआर कानूनन जायज तो है लेकिन उसका तरीका गलत है। सुप्रीम कोर्ट ने नहीं देखा कि जो काम एक-दो साल में होना चाहिए वह चुनाव से कुछ माह पहले जल्दबाजी में क्यों किया जा रहा है। अब यह मुद्दे जनता के दिल-दिमाग पर दस्तक देने लगे हैं। कॉंक्रीटच जनता पार्टी की मुहिम बताती है कि युवाओं का एक वर्ग भी चुनावों में धांधली के मुद्दे पर अंदोलित है। राजनीतिक दलों ने इसे और अधिक स्पष्ट और पैना बना दिया है। एसआईआर में धांधली के बारे में एक और खुलासा सामने आया है। चुनाव विशेषक प्रणव राय ने मई 2026 के प्राश्नम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों पर एसआईआर के प्रभाव का विशेषण किया है। उसके अनुसार जिन 25 क्षेत्रों में सबसे ज्यादा मतदाता हटाए गए हैं, उनमें ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ वोट स्विंग 10.5 प्रतिशत हुआ है। जिन क्षेत्रों में सबसे कम वोटर बाहर हुए हैं, वहां तृणमूल के खिलाफ केवल 5.3 प्रतिशत वोट स्विंग रहा। पिछले चुनाव नतीजे बताते हैं कि तृणमूल को महिला और मुस्लिम मतदाताओं का अच्छा समर्थन मिलता रहा है।

‘खुले बोरवेल बन रहे मासूम बच्चों के लिए मौत का जाल’

—कांतिलाल मांडोंत

राजस्थान के फलोदी जिले में पूनिया की ढाणी में नौ वर्षीय बालक भोमाराम के बोरवेल में गिरने की घटना ने एक बार फिर देश में बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खेत में खराब बोरवेल को ठीक करने के लिए मशीन बुलाई गई थी। पाइप निकालने का काम चल रहा था। इसी दौरान बालक अपने पिता के सामने बोरवेल में गिर गया। सूचना मिलने पर पुलिस और राज्य आपदा मोचन बल की टीम मौके पर पहुंची। बोरवेल में कैमरा डालने पर करीब 640 फीट की गहराई पर बच्चे की हलचल दिखाई देने की जानकारी सामने आई। प्रशासन और बचाव दल बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए प्रयासरत हैं।

यह घटना केवल एक परिवार की पीड़ा नहीं है, बल्कि देशभर में बोरवेल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाने वाली घटना है। हर वर्ष कहीं न कहीं बोरवेल में बच्चों के गिरने की खबरें सामने आती हैं। दुर्घटना के बाद प्रशासन, पुलिस, आपदा बचाव दल और चिकित्सा विभाग सक्रिय हो जाते हैं। घंटों तक बचाव अभियान चलता है। मशीनें मंगाई जाती हैं। अधिकारी लाटनास्थल पर पहुंचते हैं और पूरा क्षेत्र चर्चा का विषय बन जाता है। लेकिन जब अभियान समाप्त हो जाता है, तब कुछ समय बाद वही पुरानी लापरवाही फिर दिखाई देने लगती है। सवाल यह है कि दुर्घटना होने के बाद इतनी सक्रियता दिखाने वाले विभाग पहले से सतर्कता क्यों नहीं बरतते?

बोरवेल में गिरने की घटनाओं का सबसे दुःखद पहलू यह है कि इनमें अक्सर छोटे बच्चे शिकार बनते हैं। बच्चों को जमीन में बने खुले गड्ढे या बोरवेल की गहराई का अंदाजा नहीं होता। वे खेलते हुए अचानके में उसके पास पहुंच जाते हैं। कई बार खेतों में बोरवेल की खुदाई के बाद उसे खुला छोड़ दिया जाता है। कहीं अस्थायी ढक्कन लगाया जाता है, तो कहीं केवल बोरी या कमजोर वस्तु से मुंह बंद कर दिया जाता है। ऐसी व्यवस्था बच्चे का भार सहन नहीं कर पाती और गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। इसलिए बोरवेल का मुह सुरक्षित तरीके से बंद करना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा से जुड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, वर्ष 2022 और 2023 के दौरान उसके बचाव अभियानों की सूची में देश के अलग-अलग राज्यों में बोरवेल में फंसे बच्चों की 11 घटनाएं दर्ज थीं। इनमें पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात सहित कई राज्य शामिल थे। इन घटनाओं में कुछ बच्चों को जीवित बचाया गया, जबकि कई मामलों में बचाव अभियान के बावजूद जान नहीं बचाई जा सकी। यह विवरण स्पष्ट करता है कि बोरवेल दुर्घटनाएं किसी एक राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं।

वर्ष 2024 में राजस्थान के दौसा जिले में पांच वर्षीय बालक आर्यन के बोरवेल में गिरने की घटना भी देश को झकझोने वाली थी। लगभग 150 फीट गहरे बोरवेल में फंसे बच्चे को निकालने के लिए करीब 56 घंटे तक प्रयास किए गए, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। इस घटना के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राजस्थान के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से जवाब मांगा था। आयोग ने चिंता जताई थी कि खुले और परित्यक्त बोरवेल से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जारी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है।

देश में बोरवेल दुर्घटनाओं के सही और संपूर्ण आंकड़ों का सवाल भी महत्वपूर्ण है। मार्च 2025 में लोकसभा में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में जल शक्ति मंत्रालय ने स्पष्ट किया था कि केंद्र सरकार का यह मंत्रालय देश में बोरवेल दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों का समेकित आंकड़ा नहीं रखता। ऐसे में पिछले पांच वर्षों में देशभर में कितने बच्चे बोरवेल में गिरे, कितनों की मृत्यु हुई और कितनों को सुरक्षित बचाया गया, इसका एक ही आधिकारिक राष्ट्रीय आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। आंकड़ों की यह कमी भी चिंता का विषय है, क्योंकि विश्वसनीय जानकारी के बिना समस्या की व्यापकता का आकलन करना और प्रभावी नीति बनाना कठिन हो जाता है। हालांकि, उपलब्ध बचाव अभियानों के आंकड़े खतरे की गंभीरता को सामने रखते हैं। जुलाई 2026 में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2020 से 2025 के बीच राष्ट्रीय आपदा मोचन बल ने बोरवेल में फंसे बच्चों को बचाने के लिए 37 अभियान चलाए, जिनमें 17 अभियानों में बच्चों को सफलतापूर्वक बचाया जा सका।

भारत की ताकत एकरूपता नहीं, विविधता है

प्रेरणा

सत्य, अहिंसा और

करुणा की त्रिवेणी से

सुजला–सुफला की इस

भूमि पर सद्भाव की

अविरल धारा बहती रही

है। विदेशी आक्रांता

अपने साथ अपनी

धार्मिक रुढ़ियां लेकर

आए जरूर मगर हमारे

समाज ने उन्हें भी अपने

में समो लिया। वे भी

हमारी साझा संस्कृति के

हिस्से बन गए। उनका

भारतीय संस्करण कुछ

अलग ही तज से तैयार

हो गया। इतिहास में कई

बार इस ताने–बाने पर

खतरे मंडराए, लेकिन

अनेकांतवाद के अदृश्य

कवच ने भारत को

हमेशा सुरक्षित रखा।



सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'»

गरीबी केवल खाली जेब का नाम नहीं

है, बल्कि यह उन अनगिनत अभावों का प्रतीक है, जो मनुष्य को सम्मानपूर्वक जीवन जीने से वंचित कर देते हैं। भूख से बिलखते बच्चे, शिक्षा से दूर बचपन, बीमारी में उपचार के लिए तरसते परिवार और दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए दिन-रात संघर्ष करते श्रमिक गरीबी की उस भयावह तस्वीर को सामने लाते हैं, जिसे देखकर किसी भी संवेदनशील व्यक्ति का मन विचलित हो सकता है। विडंबना यह है कि एक ओर दुनिया में धन, संसाधनों और सुविधाओं का अंबार है, वहीं दूसरी ओर आज भी करोड़ों लोग बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस प्रतिवर्ष 17 अक्टूबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य गरीबी से जुझ रहे लोगों की समस्याओं के प्रति वैश्विक समाज का ध्यान आकर्षित करना, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और गरीबी समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1992 में इस दिवस को आधिकारिक मान्यता दी थी। हालांकि इसकी शुरुआत वर्ष 1987 में फ्रांस की राजधानी पेरिस में गरीबी, भुखमरी और हिंसा के शिकार लोगों के समर्थन में आयोजित एक जनसभा से जुड़ी हुई है।

गरीबी किसी एक व्यक्ति अथवा परिवार की समस्या नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज और राष्ट्र के विकास से जुड़ी

गांधीजी ने आजादी की लड़ाई की रचना ऐसे की कि जाति, धर्म, भाषा, लिंग और आयु की दीवारें ढहती गईं और एक हिंदुस्तानी मन उभर कर सामने आने लगा। हर हिंदुस्तानी स्वतंत्रता संग्राम का सिपाही बनने लगा। उन्होंने पूरे देश को एक साथ मिलकर अन्याय के खिलाफ लड़ना और एक बहुसांस्कृतिक समाज में आपसी सद्भाव के साथ जीना सिखलाया। ऐसी ही कोशिश में उनका बलिदान भी हुआ।

हाल ही में अपने घर की दो महिलाओं के साथ घूमने के लिए मलेशिया गई थी। एक दिन निकले कहीं तो टैक्सी वाले ने सहजता से पूछा: 'किस मुल्क से आए हैं आप लोग'?

जैसे ही हमने कहा- इंडिया, वह खिल उठा- 'अच्छा, तो आप एसआरके के देश से आए हैं! इसके बाद तो उसने गुरुरकुरते हुए अपनी बेबाक टिप्पणियों से ऐसे शब्द-बाण चलाए कि हममें से कोई उसका प्रतिकार नहीं कर सका। उसने बताया कि 'टैक्लेथ फेल' उसकी पसंदीदा फिल्म है और उसने एक चुभता हुआ सवाल भी दागा- 'क्या भारत में आज भी जातिवाद है? हिंदी फिल्मों में इसे देखकर दिल बैठ जाता है!'

टैक्सी में बैठी 'जेन-जी' बेटी ने थोड़ा बचाव करते हुए कहा- जातिवाद है तो सही, पर शहरों में अब यह तेजी से खत्म हो रहा है। हम बड़े चुप ही रहे। झड़वर के यहीं नहीं रुका, उसने भारत में महिला सुरक्षा और बलात्कार की घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि यह बेहद दुःखद और शर्मनाक है क्योंकि महिलाओं का तो सम्मान होना चाहिए। हम उसकी बात से इन्कार नहीं कर सकीं, पर बेटी फिर बचपन में उतरी: लेकिन मुंबई बेहद सुरक्षित है! हमारे टैक्सी से उतरते-उतरते उसने कुछ ऐसा कहा कि हमने उसके सारे तीखे बोल भुला दिए, और हमारा दिल जीत लिया। उसने बेहद हैरान होकर कहा- लेकिन 'भारत का असली चमत्कार

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'»

गरीबी मिटाने के लिए दया नहीं, अवसर और अधिकार देने होंगे

चुनौती है। इसका संबंध केवल आय की कमी से नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आवास, स्वच्छ पेयजल, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा जैसी आवश्यक सुविधाओं की अनुपलब्धता से भी है। जब किसी परिवार के पास बच्चों को विद्यालय भेजने के बजाय उनसे मजदूरी कराने की विवशता हो, जब बीमारी के उपचार के लिए कर्ज लेना पड़े और जब मेहनत करने हो जाए, तब गरीबी का वास्तविक स्वरूप सामने आता है। गरीबी व्यक्ति की प्रतिभा और क्षमता को भी कुटित कर देती है। आर्थिक अभाव के कारण अनेक प्रतिभाशाली बच्चे उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। महिलाएं पोषण, स्वास्थ्य और आर्थिक स्वतंत्रता के अवसरों से दूर रह जाती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के सीमित अवसर लोगों को पलायन के लिए मजबूर करते हैं। दूसरी ओर, शहरों में असंगठित क्षेत्र के श्रमिक असुरक्षित रोजगार और अनिश्चित कमाई के बीच जीवन बिताते हैं। इसलिए गरीबी उन्मूलन का अर्थ केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपनी योग्यता के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।

भारत ने स्वतंत्रता के बाद गरीबी कम करने और वंचित वर्गों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए अनेक योजनाएं और कार्यक्रम संचालित किए हैं। सार्वजनिक

तो यह है कि इतनी भिन्नताओं, विविधताओं और अलग-अलग मजहबों के बावजूद वहां कभी कोई गृह युद्ध नहीं होता! एक विदेशी हमारे देश की ऐसी विशेषता को पहचानता भी है और इतनी समझदारी से बताता भी है, यह सुनकर हम सभी विस्मित भी रह गए और भारतीय होने के गर्व से भर भी गए।

उस सामान्य से टैक्सी वाले की यह कोई सामान्य-सी टिप्पणी नहीं है। हम भारतीय भी इसे गहराई से समझते नहीं हैं। यह हमारे देश की अद्भुत सामाजिक संरचना है कि जहां परस्पर विरोधी विचारधाराएं भी सह-अस्तित्व में रहती हैं। कई लोग इसे 'अनेकांतवाद' भी कहते हैं लेकिन मुझको लगता है यह वाद से कहीं आगे की मनोभूमिका है। वाद तो सिद्धांत को दर्ज करते हैं, समाज जब उनको व्यवहार में उतारता है तब वह बहुत नया व गहरा बन जाता है।

सत्य, अहिंसा और करुणा की त्रिवेणी से सुजला-सुफला की इस भूमि पर सद्भाव की अविरल धारा बहती रही है। विदेशी आक्रांता अपने साथ अपनी धार्मिक रुढ़ियां लेकर आए जरूर मगर हमारे समाज ने उन्हें भी अपने में समो लिया। वे भी हमारी साझा संस्कृति के हिस्से बन गए। उनका भारतीय संस्करण कुछ अलग ही तज से तैयार हो गया। इतिहास में कई बार इस ताने-बाने पर खतरे मंडराए, लेकिन अनेकांतवाद के अदृश्य कवच ने भारत को हमेशा सुरक्षित रखा।

इस्लाम और ईसाई धर्म के प्रवेश के साथ एक-दूसरे तरह की वैचारिक व व्यावहारिक चुनौती सामने आई। ये दोनों ही संगठित और एकेश्वरवादी धर्म थे। इनका मानना था कि केवल उनका ईश्वर और उनकी पद्धति ही सत्य है और उन्हें इस सत्य से सारी दुनिया को सहमत करवाना है। ऐसी कट्टरता से हमारा सामना करनी बार ही हुआ। लेकिन हमने देखा कि उनकी धार्मिक कट्टरता भारत की

आध्यात्मिक ऊर्जा के सामने तरल होती गई और वक्त के साथ-साथ उनका भी भारतीयकरण होता गया। इन धर्मों का आक्रामक कट्टरपंथ धीमा पड़ता गया। गंगा-जमुनी तहजीब की एक नई लहर फैलती गई। इतिहास ने देखा कि भारत की मिट्टी में नफरत को मोहब्बत में बदलने का एक अनूठा रसायन सक्रिय रहता है।

बीसवीं सदी में इसके समानांतर एक बार फिर हिंदू कट्टरपंथ उभरा, जिसका एकमात्र लक्ष्य 'हिंदू राष्ट्र' की स्थापना था। स्वतंत्रता के समय जब त्रावणकोर को भारत से अलग संप्रभु राष्ट्र बनाने की आवाज उठी, तो आरएसएस और हिंदू महासभा ने इस मांग का समर्थन किया। हिंदुत्व की विचारधारा की ऐसी संकीर्ण व्याख्या ने हमारे भीतर नया विभेद पैदा कर दिया। यहां से जो जहर बना व फैला, वही देश को विभाजन तक पहुंचा गया। विभाजन का विचारधारी परिणाम और अमानवीय हिंसा इसी अतिवादी सोच की संतान थे। विखंडन वाला वही वैचारिक कुनबा आज 'अखंड भारत' का खोखला नारा देकर जनता को भ्रमित करना चाहता है। अखंड भारत जैसी कल्पना का कोई ऐतिहासिक आधार नहीं है। राजाओं ने अपने साम्राज्यों का विस्तार जहां तक किया हो, क्या उनसे कोई राष्ट्र निर्मित होता है? फिर तो कोई हटिलर उन सबको अखंड जर्मनी घोषित कर देगा जिसे उसने युद्ध के मैदान में हराया था। यह सब इतिहास को देखने की बीमार दृष्टि है जो शक भी पैदा करती है और प्रियह भी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत यही सब लेकर अभी-अभी विदेशी मंचों पर पहुंचे थे और बुरी तरह अस्वीकृत हो कर लौटे हैं।

यह हम सबके सोचने व समझने की बात है कि भारतीय समाज के आंतरिक विभाजन को चौड़ा करने की तमाम साम्राज्यवादी कोशिशों और विषवमन के बावजूद 1947 में केवल दो हिस्सों में

विविधता है

क्यों बंटा? मांग तो सिखों की भी थी,

दक्षिण की भी थी, पूर्वोत्तर के राज्यों की भी थी। वैसी सारी प्रवृत्तियों को समझा कर, मना कर देश की राजनीतिक-भौगोलिक एकता को एकजुट करना कैसे संभव हुआ था? इसका पूरा श्रेय महात्मा गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व को जाता है।

गांधीजी ने आजादी की लड़ाई की रचना ऐसे की कि जाति, धर्म, भाषा, लिंग और आयु की दीवारें ढहती गईं और एक हिंदुस्तानी मन उभर कर सामने आने लगा। हर हिंदुस्तानी स्वतंत्रता संग्राम का सिपाही बनने लगा। उन्होंने पूरे देश को एक साथ मिलकर अन्याय के खिलाफ लड़ना और एक बहुसांस्कृतिक समाज में आपसी सद्भाव के साथ जीना सिखलाया। ऐसी ही कोशिश में उनका बलिदान भी हुआ। लेकिन जवाहरलाल, पटेल, मौलाना आजाद, राजेंद्र बाबू आदि के सम्मिलित नेतृत्व ने गांधी की उस दिशा से देश को भटकने नहीं दिया।

जो कभी स्वातंत्र्य संग्राम के सिपाही नहीं रहे, जिन्होंने ऐसे भारत की कल्पना में कभी साझेदारी नहीं की, जिन्होंने विभाजन और नफरत की राजनीति को अपना हथियार बनाया। उन सबको यह भारत कभी समझ में नहीं आया।

महात्मा गांधी ने एक रास्ता दिखलाया। आधुनिक विश्व की समस्याएं भी नई हैं जिन्हें आधुनिक नजरिये से हल किया जा सकता है। यह सब कुछ आधुनिक है जो मनुष्य को, देशों को निकट लाता है, उनमें परस्पर विश्वास बढ़ता है। जैसे बिजली या फोन की खोज किसी एक कालखंड में, किसी एक वैज्ञानिक या एक देश ने की, लेकिन समय के साथ-साथ वह सारी मानव जाति की थाती बन गया।

अब आप सोचिए कि उस टैक्सी वाले की बात से कितनी ही बातें निकल आईं! इसे ही कहते हैं एक-दूसरे से सीखना और एक-दूसरे को अपना बनाना।

गरीबी मिटाने के लिए दया नहीं, अवसर और अधिकार देने होंगे

अवश्य मिलनी चाहिए, लेकिन उसके साथ

रोजगार, कौशल विकास, स्वरोजगार उद्यमिता के अवसर भी उपलब्ध कराने होंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन, लघु एवं कुटीर उद्योग तथा स्थानीय उत्पादों के विपणन को बढ़ावा देकर रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण, उचित ऋण और बाजार उपलब्ध कराया जाए तो वे परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। इसी प्रकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा गरीबी के पीढ़ीगत चक्र को तोड़ने का सशक्त माध्यम है। गरीब परिवारों के बच्चों को केवल विद्यालय में प्रवेश दिलाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अच्छी शिक्षा, डिजिटल संसाधन, पौष्टिक भोजन और आगे बढ़ने के समान अवसर देना भी जरूरी है। कौशल आधारित शिक्षा युवाओं को रोजगार के लिए तैयार कर सकती है और उन्हें आत्मनिर्भर बना सकती है।

गरीबी से संघर्ष कर रहे लोगों को केवल सरकारी योजनाओं के लाभार्थी के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। वे भी समाज के सम्मानित नागरिक हैं, जिनके पास अपनी आकांक्षाएं, प्रतिभाएं और सपने हैं। किसी गरीब व्यक्ति की सहायता करते समय उसके आत्मसम्मान की रक्षा करना भी उतना ही आवश्यक है जितना उसकी आर्थिक मदद करना। समाज के सक्षम वर्ग,

उद्योगपति, सामाजिक संस्थाएं, स्वयंसेवी संगठन और आम नागरिक इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग, निर्धन परिवारों को रोजगारपरक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य शिविर, पौष्टिक भोजन, कौशल विकास और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन जैसे प्रयास गरीबी कम करने में सहायक हो सकते हैं। दान और सेवा का महत्व अपनी जगह है, लेकिन सहायता ऐसी होनी चाहिए जो व्यक्ति को निर्भरता से निकालकर आत्मनिर्भरता की ओर ले जाए। किसी भूखे को भोजन देना मानवीय कर्तव्य है, लेकिन उसके परिवार के लिए आजीविका का स्थायी साधन उपलब्ध कराना उससे भी व्यापक सामाजिक योगदान है। गरीबी समाप्त करने के लिए सरकार को पारदर्शी नीतियों, प्रभावी क्रियान्वयन और जवाबदेह प्रशासन के माध्यम से काम करना होगा। विकास का मूल्यवान केवल सड़कों, इमारतों और आर्थिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस आधार पर भी होना चाहिए कि समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति के जीवन में कितना सुधार आया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और किफायती बनाना, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करना, दिव्यांगजनों और बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा देना तथा श्रमिकों को उचित मजदूरी और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियां उपलब्ध कराना आवश्यक है।

विदेशी फंडिंग का आरोप : सनसनी से नहीं, सबूतों से तय होनी चाहिए सच्चाई

—सौरभ वाघ्णोय

बिना प्रमाण गंभीर आरोप लगाना लोकतंत्र, राजनीतिक विमर्श और सार्वजनिक विश्वसनीयता के लिए कितना उचित? यह सवाल अपने आप में ही प्रश्नचिह्न लगा रहा है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप की आशंका को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। दुनिया के अनेक देशों में राजनीतिक गतिविधियों, चुनावी प्रक्रियाओं और जन आंदोलनों पर बाहरी प्रभाव को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। लेकिन किसी आशंका को प्रमाणित तथ्य के रूप में प्रस्तुत करना और किसी राजनीतिक दल पर विदेशी धन लेकर देश में अशांति फैलाने का आरोप लगाना दो अलग-अलग बातें हैं। यही अंतर जिम्मेदार पत्रकारिता, निष्पक्ष राजनीतिक विमर्श और लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद है।

हाल ही में अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन के नाम से सोशल मीडिया के जरिये सामने आए एक बयान में भारत में सक्रिय एक राजनीतिक दल को अमेरिका से भारी वित्तीय सहायता मिलने का आरोप लगाया गया है। इस दावे में यह भी कहा गया है कि विदेशी धन का

इस्तेमाल भारत की आंतरिक शांति को प्रभावित करने, सामाजिक विद्वेष बढ़ाने और केंद्र सरकार के कामकाज में बाधाएं उत्पन्न करने के लिए किया जा रहा है। आरोपों के समर्थन में कुछ व्यक्तियों और कथित वित्तीय समूहों का भी उल्लेख किया गया है।

ऐसे गंभीर आरोप सामने आने के बाद सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि इन दावों के समर्थन में ठोस सबूत क्या हैं? क्या किसी बैंक खाते का विवरण सामने आया है? क्या किसी वित्तीय लेन-देन का दस्तावेज उपलब्ध है? क्या संबंधित एजेंसी ने कोई जांच की है? क्या किसी विश्वसनीय जांच रिपोर्ट या आधिकारिक दस्तावेज में इन आरोपों की पुष्टि हुई है? यदि इन सवालों के जवाब उपलब्ध नहीं हैं, तो ऐसे बयानों को प्रमाणित समाचार की तरह प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा।

किसी राजनीतिक दल को विदेशी धन की जांच का आरोप सामान्य राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। यह एक गंभीर आरोप है, जिसका संबंध देश की संप्रभुता, राजनीतिक पारदर्शिता और कानून के पालन से जुड़ा है। यदि किसी दल या संगठन को अवैध विदेशी वित्तपोषण प्राप्त हुआ है, तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। दोष सिद्ध होने पर कानून के

अनुसार कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच से पहले ही किसी संगठन को देशविरोधी गतिविधियों में शामिल घोषित कर देना न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। राजनीति में आरोप लगाना आसान है, लेकिन उन्हें प्रमाणित करना कठिन। इसलिए यह आवश्यक है कि आरोप लगाने वाला व्यक्ति अपने दावों के समर्थन में विश्वसनीय दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड या अन्य सत्यापन योग्य साक्ष्य प्रस्तुत करे। केवल सोशल मीडिया पोस्ट, राजनीतिक बयान अथवा किसी विदेशी नागरिक की टिप्पणी अपने आप में किसी गंभीर आरोप का प्रमाण नहीं बन जाती। यहां यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि उपलब्ध विवरण के आधार पर मैरी मिलबेन के नाम से प्रसारित आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं मानी जा सकती। जब तक विश्वसनीय साक्ष्य सामने नहीं आते, तब तक इन्हें आरोप या दावा ही कहा जाना चाहिए, स्थापित तथ्य नहीं।

लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं। सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों को अपनी विचारधारा रखने, सरकार की नीतियों का आलोचना करने और जनता के सामने अपना पक्ष रखने का अधिकार है। यही लोकतंत्र की शक्ति है। लेकिन जब राजनीतिक विरोध को विदेशी साजिश, देशविरोधी गतिविधि या राष्ट्रीय

सुरक्षा के संकट से जोड़ दिया जाता है, तब यह देखना जरूरी हो जाता है कि ऐसा निष्कर्ष किन तथ्यों के आधार पर निकाला गया है। यदि किसी राजनीतिक दल को बदनाम करने के उद्देश्य से अयुष्ट आरोपों को बार-बार प्रसारित किया जाता है, तो इससे जनता के बीच भ्रम पैदा हो सकता है। दूसरी ओर, यदि वास्तव में विदेशी वित्तपोषण के जरिए गैरकानूनी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, तो उनकी अन्वेषण भी नहीं की जा सकती। इसलिए न तो हर आरोप को राजनीतिक षड्यंत्र कहकर खारिज करना उचित है और न ही हर आरोप को सच मान लेना।

भारत एक संप्रभु लोकतांत्रिक देश है। यहां राजनीतिक गतिविधियों, संगठनों और विदेशी अंशदान से संबंधित मामलों में कानून लागू होते हैं। विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम सहित संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत पात्र संस्थाओं के विदेशी अंशदान पर नियमन और निगरानी के व्यवस्था है। किसी विशिष्ट मामले में कोन-सा कानून लागू होगा, यह संबंधित संस्था, धन के स्रोत, प्राप्‍तकर्ता और लेन-देन की प्रकृति पर निर्भर करता है। यदि किसी विदेशी संस्थाय या व्यक्ति द्वारा भारतीय कानूनों का उल्लंघन करके दल उपलब्ध कराने के प्रमाण मिलते हैं, तो सक्षम एजेंसियों को जांच करनी चाहिए। लेकिन

विदेशी नागरिकों की राजनीतिक टिप्पणियों को अपने आप विदेशी फंडिंग का सबूत नहीं माना जा सकता। इसी प्रकार, किसी राजनीतिक दल की सरकार विरोधी गतिविधि मात्र से यह निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता कि उसके पीछे विदेशी धन है। भारत की संप्रभुता की रक्षा करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि इस विषय का इस्तेमाल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के विरुद्ध बिना प्रमाण आरोप लगाने के लिए न किया जाए। मैरी मिलबेन पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की कुछ नीतियों के समर्थन में अपनी राय व्यक्त कर चुकी हैं। किसान आंदोलन के दौरान कृषि सुधारों पर उनका रुख और बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री 'इंडिया द मोदी वेक्शन्' को लेकर उनकी टिप्पणियां सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा रही हैं। लेकिन किसी व्यक्ति का पहले किसी सरकार का समर्थन करना या किसी नीति के पक्ष में बोलना, उसके नए आरोपों की सत्यता का प्रमाण नहीं बन जाता। राजनीतिक समर्थन और तथ्यात्मक प्रमाण दो अलग-अलग विषय हैं। किसी व्यक्ति की प्रशिक्ष, अंतरराष्ट्रीय पहचान या किसी नेता के प्रति उसकी प्रशंसा के आधार पर उसके प्रत्येक दावे को सही नहीं माना जा सकता।

एक नजर

जयपुर में एयर इंडिया के विमान की आपात लैंडिंग, सभी 250 यात्री सुरक्षित

जयपुर, एजेंसी। फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रहे एयर इंडिया के विमान की बुधवार सुबह बम की धमकी मिलने और हाईजैक अलर्ट से जुड़े संकेत की सूचना के बाद जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई। विमान में सवार सभी 250 यात्रियों के सुरक्षित होने की जानकारी है। सुरक्षा एजेंसियों ने विमान और यात्रियों के सामान की जांच शुरू कर दी है। बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान ने 13 अक्टूबर की रात करीब 9:45 बजे फ्रैंकफर्ट से उड़ान भरी थी। विमान को बुधवार सुबह 10:40 बजे दिल्ली पहुंचना था। उड़ान के दौरान भारतीय हवाई क्षेत्र के पास बम की धमकी के विमान की सूचना सामने आई। इसी बीच सुबह करीब 9 बजे अहमदाबाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को कुछ सेकंड के लिए स्क्वाक-7500 कोड का इस्तेमाल हाईजैक की स्थिति में किया जाता है। हालांकि, संकेत मिलने की वास्तविक वजह की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसके बाद सुरक्षा संबंधी सूचना जयपुर एटीसी के साथ साझा की गई। सुबह करीब 9:10 बजे विमान का मार्ग बदलकर जयपुर की ओर कर दिया गया। विमान ने करीब 9:45 बजे जयपुर हवाईअड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग की। सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में यात्रियों को विमान से उतारकर टर्मिनल में बैठाया गया। विमान और यात्रियों के सामान की जांच की जा रही है। फिलहाल किसी संदिग्ध वस्तु के मिलने या जांच के अंतिम नतीजे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 23 अक्टूबर को बस्तर दशहरा में होंगी शामिल

जगदलपुर, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगामी छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। राष्ट्रपति का 22 से 23 अक्टूबर 2026 तक रायपुर और जगदलपुर का दौरा प्रस्तावित है। इस दौरान 23 अक्टूबर को जगदलपुर में उनके बस्तर दशहरा के सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होने और ऐतिहासिक मुरिया दरबार में शिरकत करने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। यह आयोजन लालबाग ग्राउंड में होगा। राष्ट्रपति के प्रवास को लेकर प्रदेश प्रशासन ने आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी हैं। मुख्य सचिव ने रायपुर और बस्तर संभाग के कलेक्टरों को प्रवास के दौरान जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मां दत्तेश्वरी एयरपोर्ट, जगदलपुर से लेकर कार्यक्रम स्थलों तक सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने और सड़क मार्ग से आवागमन सुगम बनाने की जिम्मेदारी संबंधित जिला कलेक्टरों, पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को सौंपी गई है। बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं सांसद महेश कश्यप ने मां दत्तेश्वरी और मावली माता से बस्तर दशहरा के निर्विघ्न संपन्न होने की प्रार्थना की है।

आईएएस जयवर्धन गृह मंत्रालय में उप सचिव नियुक्त

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ कैडर के 2014 बैच के आईएएस अधिकारी एस. जयवर्धन को केन्द्रीय गृह मंत्रालय में केन्द्रीय स्टाफिंग योजना के तहत उप सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति पद का कार्यभार संभालने की तारीख से चार साल की अवधि के लिए या अगले आदेश तक प्रभावी होगी। भारत सरकार की ओर से इस संबंध में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव को भेजे गए ई-मेल में आईएएस एस. जयवर्धन को तुरंत उनके कर्तव्यों से मुक्त कर गृह मंत्रालय, दिल्ली में अपना नया कार्यभार संभालने कहा गया है। इस संबंध में आज आदेश भी जारी किया गया है। निदेशों के अनुसार, अधिकारी को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग का आदेश नियुक्ति जारी होने की तारीख से तीन सप्ताह के भीतर पद संभाल लेना चाहिए। ऐसा न करने पर केन्द्रीय स्टाफिंग योजना से डिबार (अयोग्य घोषित) करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

पुलिस हिरासत में छात्रों से मारपीट के आरोप

राहुल गांधी ने पेश किए प्रदर्शनकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए छात्रों के साथ कथित मारपीट का मुद्दा उठाया है। राहुल ने बुधवार को कुछ प्रदर्शनकारियों को मीडिया के सामने पेश किया, जिन्होंने पुलिस हिरासत में उनके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किए जाने के आरोप लगाए। राहुल ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को अपने साथ हुई घटनाओं के वीडियो और अन्य साक्ष्य सुरक्षित रखने चाहिए, ताकि मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

राहुल गांधी ने यहां पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रदर्शन में शामिल छात्र, युवा और अन्य लोग अलग-अलग समुदाय और वर्गों से आते हैं, लेकिन उनकी आवाज एक है। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार को प्रदर्शनकारियों की आवाज के खिलाफ खड़ा नहीं होना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि सभी साक्ष्यों का इस्तेमाल कर मारपीट के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने की कोशिश की जाएगी।

केरल की छात्रा अथिरा ने पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि हिरासत के दौरान बस में महिला पुलिसकर्मी की मौजूदगी के बारे में पूछने पर उनके साथ मारपीट की गई। उन्होंने दावा किया कि



कनॉट प्लेस थाने के सामने उन्हें पीटा गया, जिससे उनकी आंख और कान में चोट आई। अथिरा के अनुसार, उनके एक कान से सुनाई देना बंद हो गया है। बांसुरी वादक समर ने भी हिरासत में मारपीट का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पांच अक्टूबर और फिर 11 अक्टूबर को उन्हें हिरासत में लिया गया था। समर के मुताबिक, सादे कपड़ों में मौजूद पुलिसकर्मीयों ने उनके साथ मारपीट की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों को डंटों और पत्थरों से धमकाया गया था। पत्रकार वार्ता के दौरान समर ने बांसुरी पर 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' भजन की धुन बजाई। राहुल ने इसे विरोध के प्रतीकात्मक जवाब के रूप में पेश किया। राहुल गांधी ने एनएसयूआई की

एक महिला पदाधिकारी को भी पत्रकार वार्ता में पेश किया। महिला ने आरोप लगाया कि हिरासत के दौरान उन्हें घसीटकर कनॉट प्लेस थाने ले जाया गया और एक कमरे में उनके साथ मारपीट की गई। उन्होंने दावा किया कि इस घटना के बाद उनके पैरों पर नीले निशान पड़ गए। राहुल गांधी ने उन्हें 'शेरनी' बताते हुए कहा कि कथित मारपीट के बावजूद उन्होंने डरने से इनकार किया।

एक अन्य छात्र ने आरोप लगाया कि संसद मार्ग थाने से दिल्ली गेट तक पुलिस वाहन में ले जाते समय उसके साथ मारपीट की गई। छात्र ने पुलिसकर्मीयों पर गाली देने और धमकाने का भी आरोप लगाया। उसने कहा कि तिहाड़ जेल भेजे

जाने के समय उसे गंभीर चोटें आई थीं और वह बेहोशी की हालत में था। छात्र ने मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने इससे पहले बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कांक्रिक जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं सोरव दास और आशुतोष रांका को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान तिरंगा लहराना अपराध नहीं है और इसके लिए युवाओं को जेल भेजना कायरता है। उन्होंने छात्रों, युवाओं, पत्रकारों और विपक्षी दलों के आंदोलनों को नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा बताया था।

कोटद्वार कोतवाली का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण, पुलिसकर्मियों को दिए आवश्यक निर्देश

घनश्याम दास

उत्तराखंड: कोटद्वार उत्तराखंड के कोटद्वार में क्षेत्राधिकारी अस्मिता ममगाई ने कोतवाली का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने की व्यवस्थाओं, सरकारी अभिलेखों और सुरक्षा संबंधी उपकरणों की जांच की। साथ ही पुलिसकर्मियों को रिपोर्टों के व्यवस्थित रखने और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कार्यालय में रखे महत्वपूर्ण अभिलेखों के साथ मालखाना, पुलिस बैरक, मैस, सीसीटीएनएस कक्ष और सीसीटीवी प्रणाली का जायजा लिया गया। मालखाने में रखे सरकारी सामान, शस्त्रों और कारतूतों का भौतिक सत्यापन भी किया गया। इसके अलावा पुलिसकर्मियों से शस्त्रों को सुरक्षित तरीके से संचालित करने का अभ्यास कराया गया। आपदा प्रबंधन उपकरणों की स्थिति की जांच



करते हुए उन्हें हमेशा उपयोग के लिए तैयार रखने पर जोर दिया गया।

निरीक्षण के बाद क्षेत्राधिकारी ने पुलिसकर्मियों के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आम नागरिकों के साथ विनम्र व्यवहार करने, अपने बीट क्षेत्र की पूरी जानकारी रखने और पुलिस तथा जनता के बीच प्रबंधन उपकरणों की स्थिति की जांच

कही। इसके साथ ही साइबर अपराध, महिलाओं से संबंधित अपराधों और अन्य महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण का उद्देश्य पुलिस व्यवस्था को बेहतर बनाने, कार्यप्रणाली में सुधार लाने और आमजन को प्रभावी पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने पर केंद्रित रहा।

तया गृह मंत्री 14 करोड़ भारतीय नागरिकों को घुसपैठिया बता रहे हैं : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने बुधवार को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या वह यह कहना चाहते हैं कि मतदाता सूची से बाहर हुए करीब 14 करोड़ भारतीय नागरिक घुसपैठिया हैं ? पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, एसआईआर

का लगातार बचाव कर रहे केन्द्रीय गृह मंत्री से तीन बेहद सरल और सीधे सवाल हैं : कितने घुसपैठियों की पहचान हुई? कितने घुसपैठियों के नाम निशाना साधा और सवाल किया कि क्या वह यह कहना चाहते हैं कि मतदाता सूची से बाहर हुए करीब 14 करोड़ भारतीय नागरिक घुसपैठिया हैं ? पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, एसआईआर

है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के सूत्रधार बार-बार घुसपैठियों का तर्क देकर असल मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। रमेश ने एसआईआर को शाह इस्टिगेटेड रिमूवल करार देते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री शाह की हवाश जोड़ी ने करीब 14 करोड़ भारतीयों को उनके मताधिकार से वंचित कर दिया है।

पीपलू बस स्टैंड पर कार की टक्कर से 3 वर्षीय बालक की मौत, परिवार में पसरा मातम



सहीहूरहमान राजस्थान: टोंक जिले के पीपलू बस स्टैंड पर बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 3 वर्षीय बालक की मौत हो गई। बालक अपनी दादी के साथ दुकान के बाहर खड़ा था, तभी एक कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में बालक को गंभीर चोटें आईं। परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पीपलू लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, ग्राम डोडवाड़ी निवासी कैलाश शर्मा अपनी पत्नी और पौत्र जयेश, पुत्र हर्दयेश शर्मा के साथ ग्राम बासड़ा जयकिशनपुरा में रिश्तेदारी में आयोजित तीथे की बैठक में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान वे पीपलू बस स्टैंड पहुंचे। कैलाश शर्मा बाजार में कुछ सामान लेने जा रहे थे, जबकि बालक अपनी दादी के साथ एक

दुकान के बाहर खड़ा था। तभी वहां से गुजर रही एक कार ने बालक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार का पहिया बालक के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद परिजन बालक को लेकर तुरंत सीएचसी पीपलू पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में शोक छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सिर में गंभीर चोट लगने से हुई मौत

सीएचसी पीपलू के प्रभारी डॉ. कमलेश कुमार ने बताया कि बालक को अस्पताल लाया गया था, लेकिन उस समय उसकी मौत हो चुकी थी। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मृत्यु हुई। आवश्यक कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

ग्रेटर नोएडा के 44 गांवों के किसानों का 4 प्रतिशत आबादी भूखंड मुद्दा राजनाथ सिंह तक पहुंचा



योगेंद्र कुमार उत्तर प्रदेश: ग्रेटर नोएडा के 44 गांवों के किसानों के 4 प्रतिशत अतिरिक्त आबादी भूखंड का मामला एक बार फिर चर्चा में है। 11 अक्टूबर को रामदेव सिंह रावल के नेतृत्व में किसान प्रतिनिधिमंडल ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर किसानों की समस्याओं को उठाया और मामले के समाधान की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रकाश प्रधान ने आरोप लगाया कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण किसानों को गुमराह कर रहा है और उनकी मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है। किसानों ने प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में पारित प्रस्तावों और पहले भेजे गए पत्रों का हवाला देते हुए अपना पक्ष केन्द्रीय मंत्री के सामने रखा।

प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, राजनाथ सिंह ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि इस मामले को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष उठाने के लिए उनके कार्यालय की ओर से प्रकरण भेजा जाएगा।

इस आश्वासन के बाद किसानों को मुख्यमंत्री से वार्ता होने और मामले का स्थायी

समाधान निकलने की उम्मीद है। किसानों का कहना है कि 4 प्रतिशत अतिरिक्त आबादी भूखंड उनकी न्यायसंगत मांग है और इसका जल्द निस्तारण किया जाना चाहिए। अब इस मामले में राज्य सरकार और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से आगे क्या कदम उठाए जाते हैं, इस पर किसानों की नजर बनी हुई है।

10 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले, पीएम मोदी का दावा कितना सच?



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत में भ्रष्टाचार कम हुआ है और 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं। नया टैलेट उभर रहे हैं। बल्कि न्यू इकोनॉमी फोरम को संबोधित कर रहे थे, जो पहली बार भारत में हो रहा है। तीन दिन का यह इवेंट 15 अक्टूबर को खत्म होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हर साल, यह फोरम दुनिया के सबसे अच्छे दिमागों को एक साथ लाता है। इस साल, पहली बार, यह इवेंट भारत में हो रहा है। मैं इसके लिए ब्लूमबर्ग और पूरी टीम को बधाई देता हूं।

'25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की स्टार्टअप यात्रा इस बदलाव का उदाहरण है। 2014 से पहले, भारत में 100 स्टार्टअप थे; अब उनसे ज्यादा हैं। इनमें से आधे छोटे शहरों में हैं। इसका मतलब है कि इनोवेशन के मौके ज्यादा लोगों तक पहुंच रहे हैं। नया टैलेट उभर रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि शासन में सत्ता का उद्देश्य पर ध्यान देना जरूरी है। सरकार के पास पावर है, लेकिन इससे नागरिकों को उस पर निर्भर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस सिद्धांत पर चलते हुए भारत ने एक दशक में 250 मिलियन (25 करोड़) लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। आइए जानते हैं इस दावे का असली सच।

भारत में गरीबी का पैमाना क्या है ?

भारत में समय-समय पर गरीबी रेखा को परिभाषित किया जाता रहा

है। साल 2011-12 में पर कैपिटल कंजमप्शन के आधार पर जो गरीबी रेखा थी उसके बाद से आज तक गरीबी रेखा तय नहीं की गई है। 2025 से 2009 के बीच तेंदुलकर कमेटी ने जो गरीबी रेखा तय की थी। वहीं, गरीबी रेखा 2011-12 तक चल रही थी। तेंदुलकर कमेटी ने जो गरीबी रेखा तय की थी वह बहुत ही कम थी। इस कमेटी ने गांव और शहर के किसी एक व्यक्ति को कितनी न्युट्रिशन और कैलोरी की जरूरत होती है, केवल इसे ही आधार बनाया था। इसी वजह से तेंदुलकर कमेटी की काफी आलोचना होती थी।

तेंदुलकर कमेटी की आलोचना क्यों ?

आलोचकों का यह तर्क था कि किसी व्यक्ति की बुनियादी जरूरतों सिर्फ पोषण ही नहीं होता है। केवल आप कैलोरी का अनुमान लगाकर या कैलोरी का निर्धारण करके आप ये तय नहीं कर पाएंगे कि कौन गरीब है और कौन नहीं है, बल्कि उसके साथ-साथ कपड़ा, शिक्षा स्वास्थ्य जैसे विषय भी बुनियादी जरूरत के अंतर्गत ही आते हैं।

2014 में रंजराजन कमेटी की सिफारिश

तेंदुलकर कमेटी की आलोचना के बाद रंजराजन कमेटी बनी। रंजराजन कमेटी ने व्यक्ति की

बुनियादी जरूरतों में पोषण के साथ-साथ न्युट्रिशन के साथ-साथ कपड़ा, शिक्षा स्वास्थ्य जैसे विषय भी शामिल किया।

इसके आधार पर साल 2014 में रंजराजन कमेटी ने यह सिफारिश की कि शहर में अगर कोई व्यक्ति हर महीने 1,407 रुपये से ज्यादा खर्च करता है तो वह गरीबी रेखा से बाहर होगा। वहीं, अगर गांव में कोई व्यक्ति हर महीने 972 रुपये से ज्यादा खर्च करता है तो वह गरीबी रेखा से बाहर होगा।

रंजराजन कमेटी ने साल 2014 में सिफारिश दी कि अगर कोई शहरी व्यक्ति दिन भर में 46 रुपये से कम खर्च करता है तो वह गरीब होगा और अगर कोई ग्रामीण व्यक्ति दिन भर में 32 रुपये से ज्यादा खर्च करता है तो वह अमीर होगा।

पीएम मोदी के दावे का असली सच

पीएम मोदी का 25 करोड़ लोगों के गरीबी से बाहर निकलने का दावा नीति आयोग की एक विशेष रिपोर्ट 'Multidimensional Poverty in India since 2005-06' के आंकड़ों पर आधारित है। नीति आयोग ने यह रिपोर्ट ऑक्सफोर्ड पॉल्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनिशिएटिव और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के तकनीकी सहयोग से तैयार की थी।

पारंपरिक रूप से गरीबी को केवल आय या दैनिक खर्च (जैसे 32 रुपये प्रतिदिन) के आधार पर मापा जाता था। हालांकि, नीति आयोग का यह आंकड़ा 'बहुआयामी गरीबी' पर आधारित है।

भारत-अमेरिका संबंध और मजबूत होंगे, किसी बड़ी बाधा की आशंका नहीं : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध बेहद महत्वपूर्ण हैं और दोनों देशों में राजनीतिक सोच में बदलाव होने के बावजूद यह साझेदारी आगे और मजबूत होती जाएगी।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में बोलेते हुए केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध पहले से ही काफी मजबूत हैं और फिलहाल उन्हें कोई समस्या नजर नहीं आती।

उन्होंने कहा, हमारे विचार में दोनों देशों के बीच साझेदारी बेहद ठोस और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों बड़े लोकतांत्रिक देश हैं। यह याद रखना जरूरी है कि यह संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और मेरा मानना है कि आने वाले वर्षों में भी



वह ऐसा ही बना रहेगा। कुल मिलाकर, मुझे अमेरिका के साथ समझौते करने में कोई बड़ी बाधा दिखाई नहीं देती।

मंत्री ने आगे कहा कि यह साझेदारी व्यापार से आगे बढ़कर रक्षा सहयोग, प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण आपूर्ति शृंखलाओं और लोगों के बीच मजबूत संपर्क तक फैली हुई

है।

उन्होंने कहा, हकीकत यह है कि भारत और अमेरिका के बीच बहुत करीबी संबंध हैं और दोनों कई क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। इनमें संयुक्त रक्षा अभ्यास और प्रौद्योगिकी, वस्तुओं तथा सेवाओं की खुली आपूर्ति शृंखलाओं को सुनिश्चित करने के लिए सहयोग भी

शामिल है। भारत-अमेरिका संबंध बेहद महत्वपूर्ण हैं और मेरा मानना है कि दोनों देशों में राजनीतिक सोच में किसी भी बदलाव के बावजूद ये संबंध और मजबूत होंगे।

गोयल ने कहा कि इस संबंध की मजबूती हमारी आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं सहित है।

सोने-चांदी में तेजी

नई दिल्ली ।

भारत सहित दुनिया भर के बाजारों में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित बढ़ोतरी की आशंकाओं के बाद भी भारतीय और वैश्विक बाजारों में सोने और चांदी में ये तेजी आई। आमतौर पर दरों में बढ़त से इन कीमती धातुओं पर दबाव पड़ता है, वहीं निवेशकों ने इस बीच जबरदस्त खरीदारी का रुख अपनाया। घरेलू वायदा बाजार (एमसीएक्स) पर सोना 1,291 रुपये और चांदी 3,667 रुपये तक ऊपर आयी, जिससे निवेशकों को थोड़ी राहत मिली।बाजार को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व अपनी आगामी नीतिगत घोषणा में ब्याज दरों में 25 बेसिस अंक की बढ़ोतरी करेगा। इस तरह के फैसले अक्सर डॉलर को मजबूत करते हैं और सोने-चांदी को कम आकर्षक बनाते हैं क्योंकि वे बिना ब्याज वाली संपत्तियां हैं। हालांकि, बुधवार की शुरुआत इसके विपरीत दोनों धातुओं में तेजी देखी गई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोने के वायदा भाव की शुरुआत ही तेजी के साथ हुई।एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध 976 रुपये की तेजी के साथ 1,51,785 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। सुबह यह अनुबंध 1,291 रुपये की जोरदार उछाल के साथ 1,52,100 रुपये के भाव पर खुला था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,50,809 रुपये था। दिन के कारोबार में इसने 1,52,100 रुपये का उच्च स्तर और 1,51,691 रुपये का निचला स्तर छुआ। गौरतलब है कि इस साल सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव में भी उतनी ही तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला चांदी का बेंचमार्क अनुबंध 3,082 रुपये की तेजी के साथ 2,35,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रहा था। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी बहुमूल्य धातुओं में चमक बरकरार रही। वैश्विक वायदा बाजार कॉम्मेक्स पर सोना 42.80 डॉलर की तेजी के साथ 4,375.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था, जबकि यह 4,333.50 डॉलर प्रति औंस पर खुला था।।

बीएसई पर टाटा केमिकल्स के शेयर में 20 फीसदी की तेजी

नई दिल्ली, ।

टाटा समूह की कंपनियों के शेयर में मंगलवार को तेजी रही। टाटा केमिकल्स का शेयर 20 फीसदी चढ़ा। आरबीआई के टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी का पंजीकरण वापस करने के आवेदन को खारिज करने की खबरों के बीच यह तेजी आई है। बीएसई पर टाटा केमिकल्स के शेयर में 20 फीसदी की तेजी आई। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन का शेयर 15.24 फीसदी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 5.89 फीसदी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का 5.47 फीसदी, टाटा एल्क्सी का 4.28 फीसदी, टाटा पावर का 3.41 फीसदी, टाटा कन्सुमिकेशंस का 3.21 फीसदी, टाटा स्टील का 1.96 फीसदी और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का 1.72 फीसदी चढ़ा। सूत्रों ने शनिवार को बताया था कि आरबीआई ने टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी के रूप में एनबीएफसी पंजीकरण वापस लेने के आवेदन को खारिज कर दिया है। इससे टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी के लिए एयर बाजार में सूचीबद्ध होने की राह खुल गई है।

पेट्रोल-डीजल के भाव में कोई उतार-चढ़ाव नहीं, यह है शहरों का हाल

नई दिल्ली ।

जब से 2000 से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर एमडीआर चार्जेंस की घोषणा हुई है लोगों चार्जेंस का खर सता रहा है। 15 अक्टूबर से 2000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजेक्शन पर एमडीआर शुल्क लागू हो जाएगा। सरकार ने इसके लिए अभी वक्त दिया है। इसके बाद से अब लोगों के मन में सवाल उठा रहा है कि क्या पेट्रोल और डीजल के दाम में भी बदलाव हुआ है? बुधवार को पेट्रोल-डीजल के भाव में कोई उतार-चढ़ाव नहीं है। शहर में पेट्रोल-डीजल के दाम इस प्रकार हैं।

शहर पेट्रोल की कीमत दिल्ली 102.12 रुपए प्रति लीटर मुंबई 111.31 रुपए प्रति लीटर कोलकाता 113.51 रुपए प्रति लीटर चेन्नई 107.78 रुपए प्रति लीटर शहर डीजल की कीमत दिल्ली 95.20 रुपए प्रति लीटर मुंबई 97.97 रुपए प्रति लीटर कोलकाता 99.82 रुपए प्रति लीटर चेन्नई 99.56 रुपए प्रति लीटर

भारत का व्यापार घाटा अगस्त में 26.86 अरब डॉलर के निचले स्तर पर पहुंचा

यह गिरावट मुख्य रूप से माल निर्यात में हुई मजबूत वृद्धि के कारण आई

-नई दिल्ली ।

भारत का व्यापार घाटा अगस्त में पिछले साल इस माह में दर्ज 27.22 अरब डॉलर और जुलाई में दर्ज 32 अरब डॉलर की तुलना में कम होकर पांच माह के निचले स्तर 26.86 अरब डॉलर पर आ गया है। यह गिरावट मुख्य रूप से माल निर्यात में हुई मजबूत वृद्धि के कारण आई, जिसने माल आयात में हुई बढ़ोतरी को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त में निर्यात सालाना आधार पर 26 फीसदी

बढ़कर 43.81 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 14 फीसदी बढ़कर 70.67 अरब डॉलर पर पहुंच गया। निर्यात में वृद्धि की गति जून 2022 के बाद से सबसे तेज रही।

वाणिज्य विभाग ने अगस्त में सेवा निर्यात का अनुमान 38.87 अरब डॉलर लगाया है, जो पिछले अगस्त की तुलना में करीब 25 फीसदी ज्यादा है, जबकि सेवा आयात 37 फीसदी बढ़कर 21.42 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इससे 17.45 अरब

भारत का वस्तु निर्यात सालाना अगस्त में 26.1 फीसदी बढ़कर 43.81 अरब डॉलर रहा

-यह निर्यात में देश का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन

नई दिल्ली, ।

भारत का वस्तु निर्यात अगस्त में सालाना आधार पर 26.1 फीसदी बढ़कर 43.81 अरब डॉलर हो गया है। यह निर्यात में देश का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई। इस दौरान देश के व्यापार घाटे में भी कमी देखने को मिली है, जो अगस्त में 26.86 अरब डॉलर पर रहा है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 27.22 अरब डॉलर पर था। इस साल जुलाई में व्यापार घाटा 32 अरब डॉलर था। अगस्त में वस्तु आयात सालाना

ऑनर मैजिक 9 सीरीज को खास कैमरा फीचर्स के साथ करेगी पेश

नई दिल्ली ।

स्मार्टफोन निर्माता ऑनर कंपनी अपनी आगामी मैजिक 9 सीरीज को बेहद खास कैमरा फीचर्स के साथ पेश करने की तैयारी कर रही है। इस सीरीज में 55 मेगापिक्सेल का चौकोर आकार वाला ‘एजाइल आई’ फ़ंट कैमरा दिया जाएगा। ऑनर का दावा है कि यह चौकोर फ़ंट कैमरे वाला पहला एंड्रॉयड फ़ोन होगा। ‘एजाइल आई’ कैमरे को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह फोन को वर्टिकल या हॉरिजॉन्टल दिशा में इस्तेमाल करने के दौरान अधिक लचीलापन दे सके। इससे सेल्फी, ग्रुप फोटो और वीडियो शूट करते समय व्यापक दृश्य क्षेत्र मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यह कैमरा मैजिक 9 सीरीज के सभी मॉडलों में नहीं मिलेगा। कंपनी के अनुसार, चौकोर फ़ंट कैमरा मैजिक 9 प्रो मैक्स और मानक मैजिक 9 मॉडल में दिया जाएगा। कैमरा सिस्टम की बात करें तो मैजिक 9 सीरीज में पीछे की तरफ ट्रिपल कैमरा सेटअप मिलने की जानकारी सामने आई है। इसमें दो 200 मेगापिक्सेल के एअरआरआई कैमरा सेंसर शामिल होंगे। इसके अलावा ऑनर 500 मिलीमीटर का टेलीकन्वर्टर भी पेश करेगा, जो दूर की वस्तुओं की तस्वीरें लेने के लिए उपयोगी हो सकता है। केवल बड़े मेगापिक्सेल वाले कैमरों के बजाय एक संपूर्ण कैमरा सिस्टम के तौर पर विकसित किया गया है। कैमरा फीचर्स के लिहाज से यह सीरीज प्रीमियम स्मार्टफोन बाजार में काफी चर्चा बटोर सकती है। कंपनी वीडियो रिकॉर्डिंग को भी खास बनाने की तैयारी में है और फोन में नया एआरआरआई सिनेमा मोड मिलने की उम्मीद है। मैजिक 9 प्रो मैक्स के रियर कैमरा मॉड्यूल को ‘गाइड्स आई’ नाम का नया डिजाइन दिया गया है। ऑनर के मुताबिक, इसका डिजाइन एअरआरआई के एप्रिफेक्स 35 कैमरे से प्रेरित है। कंपनी के मुताबिक, कैमरे के चौकोर डिजाइन से सेंसर को अधिक जगह मिलती है, जिससे तस्वीरों और वीडियो में बेहतर फ्रेमिंग की सुविधा मिल सकती है।

आरबीआई ने डॉलर-रुपया की अदला-बदली सुविधा से 136.37 अरब डॉलर जुटाए

अब टिकाऊ और बिना कर्ज वाली विदेशी पूंजी पर जोर जरूरी

नई दिल्ली, ।

भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि उसने अपनी विशेष डॉलर-रुपया विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा के तहत 136.37 अरब डॉलर रकम जुटाई है। इसमें विदेशी मुद्रा अनिवारसी या एफसीएनआर (बी) जमा की हिस्सेदारी 127.23 अरब डॉलर रही है। यह कुल रकम का 93

फीसदी है। आरबीआई को उम्मीद से कहीं ज्यादा रकम मिली और यही वजह रही कि उसने

एफसीएनआर (बी) स्वेप सुविधा

एक महीने पहले ही बंद कर दी थी। विदेशी मुद्रा का इतना बड़ा

प्रवाह भुगतान संतुलन और रुपया

दोनों को बहुत जरूरी मदद देता है। रिपोर्ट के मुताबिक यह पहली

बार नहीं है जब ऐसी कोई योजना शुरू की गई है। 2013 में ‘टेपर

अगस्त 2025 के 5.4 अरब डॉलर के आंकड़े से आधे से भी कम था। आरबीआई के इस महीने की शुरुआत में जारी आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा 4.2 अरब डॉलर रहा।

पश्चिमी एशिया संकट के कारण ग्लोबल मार्केट में तेल, एलपीजी और फर्टिलाइजर की कीमतें बढ़ने के बावजूद यह जीडीपी का 0.5 फीसदी बना रहा। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में सीएंडी का अनुमान जीडीपी का 0.4 फीसदी था।

रिपोर्ट के मुताबिक रिजर्व बैंक

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद सेंसेक्स 332, निफ्टी 99 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के अंत में 30 शेयोंर वाला बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 332.63 अंक टूटकर 74,336.45 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयोंर वाला एनएसई निफ्टी 99.00 अंक की तेजी के साथ ही 23,217.60 पर बंद हुआ। आज बीएसई के कुल 4561 शेयोंर में तेजी रही जबकि 2344 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं 227 शेयोंर में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी में जिन शेयोंर में सबसे ज्यादा बढ़त आई है उनमें एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ, आईटीसी, एक्सिस बैंक और एसबीआई शामिल थे। इसके विपरीत, टीसीएस, विप्रो, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और बजाज फिनसर्व जैसे

प्रमुख शेयोंर में गिरावट रही। आज आईटी और फार्मा में छोड़कर लगभग सभी इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए। विशेष रूप से, एफएमसीजी और पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1 फीसदी से अधिक की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, निफ्टी मिड्केप इंडेक्स बिना बिकरी बड़े बदलाव के बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में हल्की गिरावट दर्ज की गयी।बाजार में इस तेजी के पीछे कई कारण जिम्मेदार रहे। प्रमुख कारणों में से एक वैल्यू बाइंग थी, जो लगातार दो कारोबारी सत्रों में गिरावट के बाव निचले स्तरों पर देखी गई। वहीं विश्लेषकों का मानना ​​है कि निफ्टी 50 और सेंसेक्स दोनों ही ओवरसोल्ड क्षेत्र में थे, जिसने मौजूदा स्तरों से तकनीकी उछाल (टेक्निकल बाउंस) की संभावना को जन्म दिया। आज बाजार की आगे बढ़ने में एफएमसीजी, ऑटो और फार्मेशियल शेयोंर में हुई खरीदारी का सबसे अधिक योगदान रहा। विशेष रूप से,

0.7 फीसदी और वर्ष 2024-25 में 0.6 फीसदी पर रहा। कैलेंडर वर्ष 2025 में करीब 19 अरब डॉलर का विदेशी पोर्टफोलियो निवेश देश से बाहर निकल गया था और वर्ष 2026 में अब तक करीब 25 अरब डॉलर खम भारतीय बाजार से बाहर हो चुकी है। अकेले मार्च 2026 में 13 अरब डॉलर रकम की निकासी हुई।

टैटम’ के बाद भी ऐसी ही एक योजना शुरू की गई थी। हालांकि, 2013 के उलट इस बार यह योजना ऐसे समय में शुरू की गई है जब बाजार को इस साल भुगतान संतुलन सुनिश्चित करने के लिए रकम की जरूरत महसूस हो सकती है। हालांकि, 2013 के विपरीत चालू खाते का घाटा मामूली स्तर पर बना हुआ है। यह वर्ष 2023-24 में जीडीपी का

गौतम अडानी दुनिया के अमीर लोगों की सूची में खिसककर 20वें स्थान पर पहुंचे

संपति 42000 करोड़ रुपए से ज्यादा कम हुई, अंबानी को भी लगा तगड़ा झटका

नई दिल्ली, ।

दुनिया के अरबपतियों में भारत के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी का रुतबा कम हो गया है। अडानी संपति एक झटके में ही 42000 करोड़ रुपए से ज्यादा कम हो गई और ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में खिसककर 20वें स्थान पर आ गए। दूसरी ओर मुकेश अंबानी को भी 17000 करोड़ रुपए से ज्यादा का घाटा हुआ। अडानी की संपति में गिरावट की वजह अडानी ग्रुप के शेयोंर में गिरावट रही, जबकि अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयोंर ने चोट पहुंचाई है।बाता दें दुनिया के अरबपतियों की दौलत में उछाल या गिरावट की सबसे बड़ी वजह उनके शेयर्स होते हैं। मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के नेटवर्थ का बड़ा हिस्सा उनकी कंपनियों के शेयोंरों का है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक अडानी को मंगलावार को 4.44 अरब डॉलर यानी 42000 करोड़ रुपए से ज्यादा का झटका लगा। अब उनका नेटवर्थ 105 अरब डॉलर रह गया है। वहीं अंबानी को 1.78 अरब डॉलर यानी करीब 17000 करोड़ रुपए की चोट पहुंची है। उनका नेटवर्थ 81.3 अरब डॉलर रह गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर मंगलवार को 1.47 फीसदी

घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें स्थिर, तेल कंपनियों ने नहीं किया बदलाव

नई दिल्ली ।

आज यानी बुधवार को घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें पूरी तरह स्थिर हैं। सरकारी तेल कंपनियों ने इनमें कोई बदलाव नहीं किया है। वहीं, कमशियल सिलेंडर के रेट इस महीने की पहली तारीख को बदले गए थे। तब कीमतों में मामूली 9.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। घरेलू सिलेंडर के रेट आखिरी बार 7 जून 2026 को बदले थे। उस दौरान कीमतों में 29 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी, तब से लेकर अब तक कीमतें पूरी तरह से स्थिर हैं।रिपोर्ट के मुाबिक 7 मार्च 2026- भू-राजनीतिक तनाव और अंतर्राष्ट्रीय कूड ऑयल मार्केट में भारी उतार-चढ़ाव के कारण कीमतों में 60 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। 7 जून 2026 को कीमतों में 29 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी, जिससे दिल्ली में रेट बढ़कर 913 से 942 रुपए हो गए थे। यमन के ईरान-समर्थक हथी विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब के बुनियादी ढांचे और तेल रिफाइनरियों पर किए गए ताजा हमलों के बाद वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ गई हैं। इन हमलों से सत्ताई में रुकावट आने की आशंका गहरा गई है, जिससे ब्रेंट कूड की कीमत 108 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई और अमेरिकी तेल डब्ल्यूटीआई कूड भी 105 डॉलर के स्तर को पार कर गया। आज भी कूड ऑयल अपने ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहा है। वैश्विक मानक माना जाने वाला ब्रेंट कूड 107.82 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं, अमेरिकी बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट की कीमत 104.86 डॉलर प्रति बैरल है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद सेंसेक्स 332, निफ्टी 99 अंक उछला

निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स में पिछले पांच सत्रों की गिरावट के बाद बढ़त दर्ज की गई। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी जैसी प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों के शेयोंर में लगभग 2फीसदी की तेजी आई, जिससे वे निफ्टी 50 के शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में शामिल रहे।जानकारों के अनुसार, संस्थानगत निवेशकों की लगातार बिकवाली और कमजोर मूल्य संरचना के कारण बाजार के सेंटिमेंट पर दबाव बना हुआ है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। सुबह सेंसेक्स 373.05 अंक करीब 0.51 फीसदी बढ़कर 74,377.87 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी भी 123.60 अंक ऊपर आकर 23,242.20 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। निफ्टी50 इंडेक्स में नेस्ले इंडिया,

आईटीसी और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे बड़े शेयोंर में तेजी दर्ज की गई, जिससे बुधवार को एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शेयर बाजारों में भी मिश्रित कारोबार रहा। जापान का निक्केई 225 सूचकांक नीचे कारोबार कर रहा था, जो वैश्विक अनिश्चितता को दर्शाता है, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी बढ़त के साथ खुला। इससे पहले, मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में भी कमजोरी का रुख रहा। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज नीचे आया। वहीं एसएंडपी 500 में भी गिरावट रही, और नेस्डेक कंपोजिट भी गिरा। अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड में तेजी जारी है, मंगलवार को 10 वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी नोट की यील्ड बढ़कर 5.04 फीसदी पर पहुंच गई थी, जो लगभग दो दशकों में इसका सबसे ऊंचा स्तर है। बॉन्ड यील्ड में यह बढ़ोतरी बाजार में बढ़ती ब्याज दरों की चिंताओं को उजागर करती है, जिसका इफ़ेक्ट ट्राइटी बाजारों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री ने एकड़ी जबरदस्त रफ्तार

नई दिल्ली ।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में वर्ष 2026 की पहली छमाही (जनवरी से जून) में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री ने जबरदस्त रफ्तार पकड़ी है। इस दौरान 1.48 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी हुई, जबकि हाइब्रिड कारों की बिक्री लगभग 57,855 यूनिट रही, जो इलेक्ट्रिक वाहनों की ख़ाई गुना अधिक बिक्री को दर्शाती है। शीर्ष 20 इलेक्ट्रिक मॉडलों की कुल बिक्री 1,39,024 यूनिट रही, जो पिछले साल की समान अवधि (83,229 यूनिट) की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। बिक्री के आंकड़ों में एमजी विंडस 19,080 यूनिट के साथ सबसे आगे रही, हालांकि इसकी बिक्री पिछले साल से थोड़ी कम हुई। दूसरे स्थान पर महिंद्रा एक्सईवी 9एस ने 18,074 यूनिट के साथ जगह बनाई, जिसके बाद टाटा नेक्सन दी ने 16,567 यूनिट के साथ तीसरा स्थान हासिल किया, जो पिछले साल की तुलना में इसकी बिक्री में खासे सुधार को दर्शाता है। टाटा पंच ईवी (15,683 यूनिट) और महिंद्रा एक्सईवी 9ई (11,242 यूनिट) ने भी मजबूत प्रदर्शन किया।

आरबीआई ने टाटा संस की लिस्टिंग से पहले बंबई हाईकोर्ट में की कैविएट दाखिल

नई दिल्ली, ।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बंबई हाईकोर्ट में कैविएट दाखिल की है। यह कदम टाटा संस को अनिवार्य रूप से स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध करने संबंधी आरबीआई के हालिया निर्देश को चुनौती देने वाली संभावित याचिका के महेनजर उठाया है। एक सूत्र के मुताबिक आरबीआई की इस कानूनी पहल ने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के लिए आरबीआई की सूचीबद्धता संबंधी निर्देश को कोर्ट में चुनौती देने की गुंजाइश सीमित कर दी है। सूत्र ने बताया कि आरबीआई द्वारा कैविएट दायर किए जाने की सूचना टाटा संस को भी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक 11 सितंबर, 2026 को जारी एक पत्र में आरबीआई ने मार्च 2024 में टाटा संस की ओर से खुद को मुख्य निवेश कंपनी के रूप में पंजीकरण खत्म करने के अनुरोध वाले आवेदन को खारिज कर दिया है। इससे कंपनी को जल्द स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध करना जरूरी हो गया है। आरबीआई की ओर से पहले सूचीबद्धता का निर्देश देना और उसके तुरंत बाद कैविएट दायर करना इस बात का संकेत है कि टाटा संस की सूचीबद्धता अब टलने वाली नहीं है, भले ही टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा

एक सूत्र के मुताबिक टाटा ट्रस्ट्स के लिए अदालत का रुख करना मुश्किल हो सकता है। क्योंकि ट्रस्ट के न्यायियों के बीच सूचीबद्धता के मुद्दे पर मतभेद हैं। कानूनी रूप से कैविएट एक ऐसी सूचना या आवेदन है, जिसे कोई व्यक्ति या संस्था संभावित कानूनी चुनौती की आशंका में अदालत में दाखिल करती है।

संक्षिप्त

डेनमार्क ओपन: क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं तन्वी शर्मा

ओडेंस, एजेंसी। भारत की 17 वर्षीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने डेनमार्क ओपन 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने गुरुवार देर रात खेले गए राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में जर्मनी की यवोन ली को 21-17, 21-19 से हराया।

अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना पहली बार विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग से होगा। तन्वी ने यवोन ली के खिलाफ केवल 39 मिनट में जीत दर्ज की। दूसरे गेम में कड़ी चुनौती मिलने के बावजूद भारतीय खिलाड़ी ने धैर्य बनाए रखा और सीधे गेमों में मुकाबला अपने नाम किया। तन्वी ने पहले गेम की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। यवोन ली लगातार पिछड़ने के बाद वापसी की कोशिश करती रहीं, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने 21-17 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में जर्मनी की खिलाड़ी ने अधिक चुनौती पेश की।

झोंग किनवेन ने कंधे की चोट के कारण जापान ओपन से अपना नाम वापस लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। झोंग किनवेन ने कंधे की चोट के कारण जापान ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। इससे पहले वह वुहान ओपन से भी हट गई थीं। झोंग ने हाल ही में चाइना ओपन जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की थी और इस इवेंट को जीतने वाली पहली चीनी खिलाड़ी बनीं। हालांकि, पिछली चोट से वापसी के बाद कोर्ट पर बिताए गए लंबे समय की वजह से उन्हें वुहान से नाम वापस लेना पड़ा। अब वह जापान ओपन में नहीं खेलेंगी। हालांकि, उन्हें नवंबर में डबल्यूटीए 250 यूईशियन हांगकांग टेनिस ओपन में खेलना है, जो इंडियन वेल्स में डबल्यूटीए फाइनल्स से पहले साल के आखिरी दो इवेंट्स में से एक है। चाइना ओपन के दौरान, झोंग ने सात मैचों में कोर्ट पर 15 घंटे और 16 मिनट बिताए, जो इस साल किसी भी इवेंट में किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा है। उन्होंने

रणजी ट्रॉफी: अरुणाचल प्रदेश की कप्तानी

संभालेंगे नीलम ओबी

ईटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एआरसीए) में जारी प्रशासनिक संकट के कारण राज्य को अपना पहला मैच गंवाना (वांकाओवर देना) पड़ा था। अब बीसीसीआई की तरफ से नियुक्त तीन सदस्यीय चयन पैनल ने 15 खिलाड़ियों की टीम चुनी है, जिसमें नीलम ओबी को रणजी ट्रॉफी के अगले तीन मुकाबलों के लिए कप्तान बनाया गया है। कमशा यांगफो को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि असम के पूर्व क्रिकेटर जुमय तर्फदार हेड कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। दिल्ली के लिए दो फर्स्ट-क्लास मैच खेल चुके सलिल मल्होत्रा को गैस्ट प्लेयर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है।

'गर्व है' पहल से जुड़ी दिविजा पॉल ने राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में जीता कांस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। असम की युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी दिविजा पॉल ने पंचकूला में छह से 13 अक्टूबर तक आयोजित राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अंडर-13 बालिका वर्ग में कांस्य पदक जीता है। इस प्रतियोगिता में पदक जीतने वाली दिविजा अदाणी स्पোর্ट्सलाइन की 'गर्व है' पहल से जुड़ी नई खिलाड़ी हैं। वह वर्तमान में भारत की अंडर-13 श्रेणी में नंबर एक रैंकिंग पर हैं। दिविजा की यह उपलब्धि फिलीपींस में आयोजित डबल्यूटीटी यूथ कंटेंडर च्यूटॉ प्रिंसेसा 2026 में अंडर-13 व्यक्तिगत वर्ग का स्वर्ण पदक जीतने के बाद आई है। इससे पहले उन्होंने 2025 और 2026 में वडोदरा में आयोजित डबल्यूटीटी यूथ कंटेंडर प्रतियोगिताओं में भी अंडर-11 और अंडर-13 वर्गों में स्वर्ण पदक जीते थे।

भारत निविदा लाईन

भारत बनाम वेस्टइंडीज के 5वें टी-20 मैच में बारिश का खतरा

मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, दोपहर और शाम के समय बारिश की काफी संभावना है

बेंगलुरु, एजेंसी।

एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शनिवार को बेंगलुरु में भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले पांचवें और अंतिम टी-20 मैच में बारिश और आंभी-तूफान का खतरा मंडरा रहा है। दोनों टीमों के बीच चल रही यह सीरीज 2-2 से बराबरी पर है। भारतीय मौसम विभाग ने कल बेंगलुरु में आसमान में बादल छाए रहने और एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताया है। तापमान 20 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, दोपहर और शाम के समय बारिश की काफी संभावना है, जिसमें

उम्मीद है कि सचिन-कोहली की तरह वैभव भी देश का नाम खूब रोशन करेंगे: चेतन शर्मा

समुझे बहुत अच्छा लगता है कि जब हम स्कूल क्रिकेट ग्रासरूट लेवल के साथ जुड़ते हैं: चेतन शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत के पूर्व क्रिकेटर चेतन शर्मा ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि इतनी छोटी उम्र में टीम इंडिया के लिए इंटरनेशनल डेब्यू करना अपने आप में बड़ी बात है। दिल्ली में स्कूल टोटल टी20 लीग के उद्घाटन समारोह में चेतन ने कहा, "वैभव सूर्यवंशी ने देश का नाम रोशन किया है। 15 साल की उम्र में देश के लिए खेलना आसान नहीं होता है। इस उम्र में तो लोग सोच रहे होते हैं कि किसमें करियर बनाना है। यह बहुत ही काबिल खिलाड़ी हैं और देश की धरोहर हैं। उन्होंने आगे कहा, "बीसीसीआई बहुत अच्छी तरीके से उनको संभाल रहा है। उम्मीद करते हैं देश के लिए धीरे-धीरे बहुत बड़े प्लेयर बनेंगे।

हमलों का असर नहीं, एशियन कप सऊदी अरब 2027 की तैयारियां जारी: आयोजक

रियाद, एजेंसी। एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 की स्थानीय आयोजन कमेटी ने कहा है कि क्षेत्र में हाल के हमलों के बावजूद, अगले साल जनवरी में शुरू होने वाले टूर्नामेंट की तैयारियां चल रही हैं। यह कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट अगले साल 7 जनवरी से 5 फरवरी तक रियाद, जेद्दा और अल खोबर में होगा। 10 अक्टूबर को सऊदी की राजधानी रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किए गए हमले में 12 लोग मारे गए और 309 घायल हो गए। यमन के ईरान से जुड़े हूती मूवमेंट ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली। यह हमला एक दशक से ज्यादा समय में देश का सबसे खतरनाक हमला माना जा रहा है। आयोजकों की तरफ से जारी बयान में कहा गया, "सभी संगठनात्मक और ऑपरेशनल क्षेत्रों में कयारियां मंजूर शेड्यूल के हिसाब से चल रही हैं। इसमें वेन्चू, सुविधाएं

सीनियर मेंस हॉकी नेशनल्स

ऑडिशा ने छत्तीसगढ़ को 8-1 से रौंदा

झांसी, एजेंसी।

16वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 के छठे दिन गुरुवार को, केरल ने 1-5 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए उत्तराखंड के खिलाफ 6-5 से जीत दर्ज की। वहीं, डिवीजन 'बी' में ओडिशा ने छत्तीसगढ़ को 8-1 से मात दी।

डिवीजन 'ए' के पूल सी मुकाबले में, उत्तर प्रदेश हॉकी ने चंडीगढ़ हॉकी को 5-0 से करारी शिकस्त दी, जबकि मध्य प्रदेश हॉकी ने पुडुचेरी हॉकी को 4-2 से हराया।

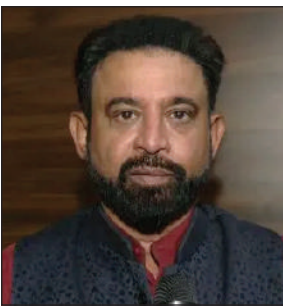
उत्तर प्रदेश के लिए 9वें मिनट में शारदा नंद तिवारी ने पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए पहला गोल दागा। इसके बाद अजीत यादव ने 37वें, 42वें



मैच शुरू होने का निर्धारित समय शाम सात बजे भी शामिल है। बारिश के कारण मैच शुरू होने में देरी हो सकती है, खेल में रुकावट आ सकती है या ओवरों की संख्या घटाई जा सकती है, जो सीरीज के इस निर्णायक मुकाबले में दोनों टीमों के लिए एक चुनौती बन सकता है। हालांकि, अगर बारिश कम समय के लिए होती है, तो स्टेडियम का खास ड्रेनेज सिस्टम देरी को कम करने में अहम भूमिका निभा सकता है। मैदान में एक ऐसा ड्रेनेज सिस्टम लगा है

जो पानी को तेजी से बाहर निकाल देता है, जिससे बारिश के बाद खेल का मैदान जल्दी तैयार हो जाता है। इस सिस्टम की कामयाबी बारिश की तीव्रता और उसके देर तक चलने पर निर्भर करेगी।

अहम मोड़ पर बारिश का साथ पांच मैचों की इस सीरीज में मौसम की यह चिंता ऐसे अहम मोड़ पर आई है, जब वेस्टइंडीज ने हैदराबाद में खेले गए चौथे टी-20 में भारत को 24 रनों से हराकर सीरीज 2-2 से बराबर कर दी है। शाई होप



क्रिकेट ले लो, ग्रासरूट लेवल ले लो, मैं उससे जुड़ा हूँ और हर कार्य करता हूँ और किसी उसके लिए नहीं अपने मन की तसल्ली के लिए करता हूँ। मुझे बहुत अच्छा लगता है कि जब हम स्कूल क्रिकेट ग्रासरूट लेवल के साथ जुड़ते हैं। चेतन ने बच्चों को जालसाजों से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, "मैं बच्चों तक एक बात पहुंचाना चाहता हूँ जो मैंने माइक से भी बोली की उन लोगों के झांसे में मत आइएगा जो सिर्फ क्रिकेट से पैसा कमाना चाहते हैं। रजिस्ट्रेशन फीस लेकर इधर उधर की बातें करके बच्चों से रजिस्ट्रेशन फीस ली जाती है, बच्चों को सुविधाएं दी नहीं जाती हैं। उनके अपने बैंक अकाउंट में करोड़ों आ जाते हैं और बच्चों को कुछ मिलता नहीं है। तो अच्छी व्यवस्थित लीग खेलाएं, बिना पैसे के खेलिए, कोशिश कीजिए आपको कुछ मिले, तो आपके माता-पिता को भी खुशी होगी। माता-पिता से भी मैं यह कहना चाहता हूँ कि उन लोगों से बचिए मतलब इस तरह की कंपनी से बचकर रहिए।

जीत हो या हार, पीएम मोदी हमेशा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हैं: मीराबाई चानू

मीराबाई चानू ने बताया कि एशियन गेम्स में पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का प्रधानमंत्री ने गव्य स्वागत किया

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 'एशियन गेम्स 2026' के भारतीय दल से मुलाकात की। भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने पीएम के निरंतर प्रोत्साहन और सरकार की खेल नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा खिलाड़ियों का भव्य स्वागत करना और हर परिस्थिति में उनका मार्गदर्शन करना एथलीट्स के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा है।

भारत की स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने आइची-नागोया एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के



49 किलोग्राम वर्ग वेटलिफ्टिंग में सिल्वर मेडल जीता था। मीराबाई चानू ने बताया कि एशियन गेम्स में पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का प्रधानमंत्री ने भव्य स्वागत किया। उन्होंने कहा, "जीत हो या हार, प्रधानमंत्री मोदी हमेशा हर समय खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हैं। एक एथलीट के लिए यह प्रोत्साहन बहुत मायने रखता है।" चानू ने अपने पदक पूरे देशवासियों को समर्पित करते हुए कहा कि भारतवासियों के प्यार और समर्थन की बदौलत ही वे देश के लिए यह सफलता हासिल कर पाई हैं।

क्या वैभव सूर्यवंशी को आखिरी मैच में मिलेगा मौका?

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवां और निर्णायक मुकाबला शनिवार को बेंगलुरु में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने जारी सीरीज में ज्यादा बदलाव नहीं किए हैं और अंतिम मैच में भी प्लेइंग इलेवन में कुछ बदलाव होने तय हैं। चोट के कारण अर्शदीप सिंह बाहर हो गए हैं और उनकी जगह भुवनेश्वर कुमार को शामिल किया गया। अंतिम मुकाबले से पहले एक बार फिर युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर पांचवें टी20 मैच में वैभव सूर्यवंशी को देखना चाहते हैं। लेकिन ये भी मानते हैं कि युवा बल्लेबाज को शामिल करने के लिए भारत को बल्लेबाजी क्रम में छेड़छाड़ नहीं करना चाहिए।

के शतक की बदौलत वेस्टइंडीज ने सीरीज को निर्णायक मुकाबले तक पहुंचा दिया है, जहां अब सीरीज जीतने के लिए दोनों टीमों को जीत की जरूरत है। लगातार बारिश होने पर खेल का समय कम हो सकता है, जिससे ग्राउंड स्टाफ के सामने पूरे मैच के लिए आउटफील्ड को तैयार करने की चुनौती होगी। शाम के

समय ओस पड़ने की संभावना भी टीमों की रणनीति को प्रभावित कर सकती है, खासकर टॉस के समय उनके फैसलों पर-कि वे पहले बल्लेबाजी करेंगे या गेंदबाजी। भारत को नुकसान बता दें कि अगर मैच के दौरान बारिश आती है तो यह भारत के लिए बड़ा झटका होगा, क्योंकि लंबे समय

उप-कप्तानी एक बड़ी जिम्मेदारी: शेफाली वर्मा चैंपियंस ट्रॉफी में भारत निडर होकर खेलना चाहता है

स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम, फरवरी 2027 में मुंबई और वडोदरा में होने वाले छह टीमों के टूर्नामेंट की तैयारी शुरू करेंगी।

रायपुर, एजेंसी।

शेफाली वर्मा को हाल ही में भारतीय महिला टी20 क्रिकेट टीम की उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। जिम्माब्दे के खिलाफ टी20 सीरीज की शुरुआत से पहले शेफाली ने कहा कि भारतीय टीम के नेतृत्व समूह में उनकी भूमिका सिर्फ इस पद तक सीमित नहीं रहेगी। उन्होंने बताया कि टीम अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में निडर और समझदारी भाग टी20 क्रिकेट खेलने का लक्ष्य लेकर चल रही है। स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम, फरवरी 2027 में मुंबई और वडोदरा में होने वाले छह टीमों के टूर्नामेंट की तैयारी शुरू करेगी। इसकी शुरुआत शुक्रवार को



शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में जिम्माब्दे के खिलाफ शुरू होने वाली टी20 सीरीज से होगी। रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाने वाले सीरीज के शुरुआती मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेफाली ने कहा, "उप-कप्तानी का भार करे तो, मैंने अंडर-19 वर्ल्ड कप में कप्तानी भी की है, इसलिए मेरे पास इसका अनुभव है। मुझे पता है कि उप-कप्तानी सिर्फ एक पद नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। हमें हर एक खिलाड़ी का ख्याल रखना है और यह सुनिश्चित करना

वैभव को बतौर ओपनर मिलना चाहिए मौका

अभिषेक नायर का मानना है कि भारतीय टीम के टॉप ऑर्डर में नहीं होगा, बल्कि गेंदबाजी यूनिट में बदलाव संभव है। भारतीय टीम शनिवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगा। भारत को पिछले मुकाबले में वेस्टइंडीज से 24 रन से हार का सामना करना पड़ा। जियोहॉटस्टार से बातचीत में नायर ने बताया कि सूर्यवंशी को सिर्फ तभी टीम में लिया जाए जब भारत उन्हें ओपनर के रूप में खेलाने के लिए तैयार हो। अभिषेक नायर ने कहा, "मुझे बहुत मन कर रहा है। क्या आप वैभव सूर्यवंशी को उनकी सही जगह से हटाकर खिलाने वाले हो? मैं ऐसा नहीं देखना चाहूंगा। अगर वैभव खेलते हैं, तो उन्हें बतौर सलामी बल्लेबाज ही खेलना चाहिए, वही उनकी सबसे अच्छी जगह है। अगर वो ओपनर बनते हैं, तो नंबर 3 पर खेलने वाले को अपनी सबसे अच्छी जगह पर खेलना चाहिए। मैं कितना भी वैभव सूर्यवंशी को देखना चाहूं, खासकर बेंगलुरु में, फिर भी मैं बॉलिंग में बदलाव करूंगा, बल्लेबाजी में नहीं।

से भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 घरेलू सीरीज नहीं हारी है और ना ही बराबरी की है। भारत ने लंबे समय से वेस्टइंडीज को अपने घर पर मात दिया है। ऐसे में

अगर कैरेबियाई टीम सीरीज को 2-2 से बराबर करने में कामयाब रहती है तो यह उनके लिए बड़ी उपलब्धि और भारत के लिए झटका ही माना जाएगा।

ओमान और यूएई के खिलाफ वर्ल्ड कप लीग 2 मुकाबलों में बेस डी लीडें होंगे कप्तान

एमस्टेलवीन, एजेंसी। सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर बेस डी लीडें, आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 के अगले दौर में नीदरलैंड्स कप्तान संभालेंगे। गुरुवार को यह घोषणा रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन (केएनसीबी) ने की। इस दौर में नीदरलैंड्स का मुकाबला ओमान और यूएई से होगा, जो इस महीने के आखिर में दुबई में खेले जाएंगे।

15 सदस्यीय टीम इस दौर पर चार मुकाबले खेलेंगी। इस एन हेड कोच एशले नोफके के मार्गदर्शन में टीम का पहला असाइनमेंट भी होगा। 50 ओवरों की लीग 2 वनडे विश्व कप 2027 के लिए क्वालीफिकेशन प्रक्रिया का हिस्सा है। 2027 वनडे विश्व कप का आयोजन 2 अक्टूबर से 21 नवंबर तक दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में किया जाएगा। स्टैंडिंग में शीर्ष चार टीमों 'ग्लोबल क्वालीफायर' में पहुंचेंगी, जो 2027 की शुरुआत में खेला जाएगा। नीदरलैंड्स ने इस क्वालीफाईंग इवेंट में अपनी जगह पहले ही पक्की कर ली है।

पूनम राउत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट संन्यास से लिया

स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम, फरवरी 2027 में मुंबई और वडोदरा में होने वाले छह टीमों के टूर्नामेंट की तैयारी शुरू करेंगी।

मुंबई, एजेंसी।

भारत की पूर्व ओपनर पूनम राउत ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का ऐलान किया। इसके साथ ही उनके एक दशक से अधिक लंबे करियर का समापन हो गया। 37 वर्षीय पूनम आखिरी बार साल 2021 में भारत के लिए खेली थीं। गुरुवार को अपने 'इंस्टाग्राम' अकाउंट पर एक बयान जारी करते हुए पूनम ने लिखा, "काफी सोच-विचार के बाद, मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का फैसला किया है। भारत का



प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। क्रिकेट मेरे लिए सिर्फ एक खेल से कहीं बढ़कर रहा है — इसने मेरे व्यक्तित्व को गढ़ा है, मुझे निपटारी परिस्थितियों में डटे रहना सिखाया है। मुझे ऐसी यादें दी हैं जिन्हें मैं हमेशा संजोकर रखूंगी। जब भी मैंने भारत की जर्सी पहनी, तो मैंने इसे बहुत गर्व और कृतज्ञता के साथ पहना। मुंबई की रहने वाली पूनम ने मार्च 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया। उन्होंने अपने वनडे करियर के 73

डेनमार्क ओपन: त्रीसा-गायत्री की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची

ओडेंस, एजेंसी।

भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने डेनमार्क ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने गुरुवार को राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त रेचल अलेस्स्या रोज और फेबी सेंटियानिंगरम को सीधे गेमों में 21-16, 21-17 से हराया। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में कड़े मुकाबले के बाद नियंत्रण हासिल किया। दूसरे गेम में इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने वापसी की कोशिश की, लेकिन त्रीसा और गायत्री ने संयम बनाए रखते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। त्रीसा ने पिछले कोर्ट से आक्रामक खेल दिखाया, जबकि गायत्री ने नेट पर मजबूती से मोर्चा



संभाला। भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआती संघर्ष के बाद अपनी रक्षापंक्ति को बेहतर किया और गलतियों पर अंकुश लगाते हुए पहला गेम 21-16 से जीता। दूसरे गेम में भी उन्होंने इसकी लय को बरकरार रखा और 21-17 से जीत दर्ज की।

त्रीसा और गायत्री ने राउंड ऑफ 32 में चीनी ताओ के चीन यान फेई और ह्सिएह पेई शान को 22-20, 21-14 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया था।

मनीष पॉल ने खोले बॉलीवुड के राज

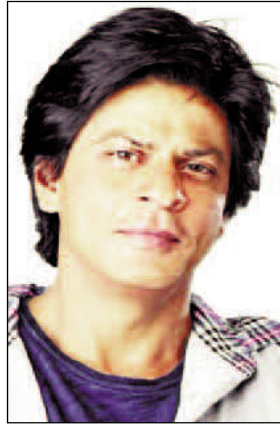


मनीष पॉल अब इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने छोटे पर्दे पर होस्टिंग कर अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद मनीष ने बॉलीवुड में हाथ अजमाया और 'मिकी वायरस' के साथ बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। अपने करियर में होस्ट और अभिनेता ने बॉलीवुड के कई दिग्गजों के साथ स्टेटेज शेयर किया। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू दिया और शाहरुख खान, सलमान खान, करण जौहर के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव बताया। मनीष ने बताया कि उन्होंने करण जौहर के साथ काम किया है, उनके साथ मजाक करते हैं, लेकिन निर्माता-निर्देशन ने कभी उनकी बातों का बुरा नहीं माना। मनीष बोले, 'करण सर मेरे साथ काम करने वाले सबसे शानदार को-होस्ट हैं। शाहरुख खान सर और सलमान सर इतने बड़े सितारे हैं, लेकिन उनमें दूसरों को सहज महसूस कराने की खासियत है। वे इतने बड़े नाम हैं कि चाहें तो इस बात को लेकर सोच सकते हैं कि कहीं मनीष उनसे ज्यादा न बोलने लगे। लेकिन वे ऐसा कभी नहीं करते।' मनीष ने आगे कहा, 'मैं करण सर का काफी मजाक उड़ाता हूँ और हम साथ में खूब मस्ती करते हैं। भगवान का शुक्र है कि लोगों को भी यह पसंद आता है। करण सर ने

मेरी किसी भी बात का कभी बुरा नहीं माना। मैंने उनके साथ कई बार मजाक किया है। यह मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे पता है कि कब रुकना है। मैं अपनी हद पार नहीं करता।'

शाहरुख को लेकर बोले मनीष

मनीष पॉल ने शाहरुख खान के साथ एक इवेंट होस्ट करने का किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि



जब वह नए थे, तब शाहरुख के साथ काम करते हुए काफी घबराते थे। ऐसे में शाहरुख ने उन्हें सहज महसूस कराया। मनीष ने कहा, 'मुझे याद है कि मैंने शाहरुख खान के साथ मुंबई पुलिस के कई शो होस्ट किए थे। उस

मनीष ने की सलमान की तारीफ

मनीष पॉल ने सलमान खान के होस्टिंग स्टाइल की भी तारीफ की। उन्होंने खास तौर पर पैपराजी की आलोचना करते हुए सलमान की हालिया टिप्पणी का समर्थन किया। मनीष ने कहा, 'यह बहुत शानदार था और इसकी काफी जरूरत थी। भगवान का शुक्र है कि उन्होंने ऐसा किया। मुझे लगता है कि वह अकेले ऐसे शख्स हैं, जिनकी बात लोग सुनेंगे। अब लोग उनकी बात सुन भी रहे हैं। जब भाई कुछ कहते हैं, तो फिर बात वहीं खत्म हो जाती है।'



15 साल बाद आएका द डर्टी पिक्चर का सीक्वल

एकता कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बात करते हुए यह कन्फर्म कर दिया है कि वह 'द डर्टी पिक्चर 2' लेकर आ रही हैं। उन्होंने फिल्म से जुड़ी कई चीजें शेयर की।

साल 2011 में आई फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' को लोगों ने काफी पसंद किया था। मिलन लुथरिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म सिल्क स्मिता की जिंदगी पर आधारित थी। इसमें विद्या बालन ने लीड रोल प्ले किया था। वहीं, उनके साथ नसीरुद्दीन शाह, इमरान हाशमी और तुषार कपूर भी नजर आए थे। अब फिल्म की निर्माता एकता कपूर ने हाल ही में इसके सीक्वल को लेकर बात की और बताया कि वह जल्द ही 'द डर्टी पिक्चर 2' लेकर आ रही हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की कहानी से जुड़ा भी अपडेट शेयर किया।

एकता ने कहा कि वह काफी समय से फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' के सीक्वल के बारे में सोच रही थीं। अब उन्हें ऐसी कहानी मिल गई है, जिसे वह दर्शकों को सुनाना चाहती हैं। निर्माता ने यह भी बताया कि पहली फिल्म की तरह नई फिल्म भी किसी एक व्यक्ति की

जिंदगी पर आधारित होगी। हालांकि, इस बार कहानी किसके इर्द-गिर्द घूमेगी, इसका खुलासा उन्होंने नहीं किया। एकता कपूर ने कहा, 'मैं एक बहुत बड़ी फिल्म बना रही हूँ, जिसका नाम 'द डर्टी पिक्चर 2' है। मैं 15 साल बाद इसकी योजना बना रही हूँ। इस बार मुझे लगता है कि मेरे पास एक ऐसी कहानी है, जिसे मैं बताना चाहती हूँ।'

पहली फिल्म को लेकर क्या बोली एकता

एकता ने पहली फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि 'द डर्टी पिक्चर' सिल्क स्मिता की जिंदगी पर आधारित थी। यह एक ऐसी महिला की कहानी थी, जिसे अपनी यौन स्वतंत्रता को खुलकर स्वीकार करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। एकता के मुताबिक, उन्होंने सिल्क स्मिता को कभी पॉइंट के रूप में नहीं देखा, बल्कि एक ऐसी महिला के तौर पर देखा, जिसने अपनी यौन स्वतंत्रता को अपनाया और उसका जश्न मनाया। फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिसर्पोन्स मिला था। बता दें कि फिल्म सिल्क स्मिता की जिंदगी से प्रेरित थी और इसमें दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में उनके संघर्ष, सफलता और निजी जिंदगी के कई पहलुओं को दिखाया गया था।

सिल्क स्मिता ने कितनी फिल्मों में किया काम

सिल्क स्मिता ने अपने करीब 18 साल के करियर में 450 से अधिक फिल्मों में काम किया था। फिर 35 साल की उम्र में सिल्क स्मिता ने अपने चैनल स्थित घर पर आत्महत्या कर ली थी। बता दें कि फिल्म में सिल्क स्मिता का किरदार निभाने वाली विद्या बालन को उनके शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।



हर कमेंट को दिल पर लेने की जरूरत नहीं

'अनुपमा' में राही का किरदार निभा रही टीवी एक्ट्रेस अद्रिजा रॉय ने वर्ल्ड मेटल हेल्थ डे से पहले मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बात की है। आईएनएस को दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक शांति सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपनी भावनाओं को समझें, जरूरत पड़ने पर ब्रेक लें और अपनी मानसिक शांति को प्राथमिकता दें। आईएनएस से बात करते हुए अद्रिजा रॉय ने कहा, 'लोग अक्सर अपनी परेशानियों को छिपाकर सबके सामने सामान्य दिखने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि अगर उन्होंने स्वीकार कर लिया कि वह किसी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, तो लोग उन्हें जज करेंगे या गलत समझेंगे। ऐसा सोचने के बजाय अपनी भावनाओं को स्वीकार करना चाहिए। कई बार बेहतर महसूस करने की शुरुआत यहीं से होती है।' काम और पब्लिक लाइफ के दौरान मिलने वाले कमेंट्स पर बात करते हुए अद्रिजा ने कहा, 'हर बात को दिल पर लेना सही नहीं है। हर व्यक्ति की आपके बारे में अपनी राय हो सकती है, लेकिन खुद को आपसे बेहतर कोई नहीं जानता। मैं कोशिश करती हूँ कि अपना ध्यान उन लोगों और चीजों पर रखूँ, जो सच में मेरे लिए मायने रखते हैं और बाहरी लोगों की हर राय को

अपनी मानसिक शांति पर हावी न होने दूँ।' उन्होंने आगे कहा, 'जब इसान शारीरिक और मानसिक रूप से इतना थक जाए कि हर काम बोझ या जिम्मेदारी जैसा लगने लगे, तब रुककर खुद को समय देना जरूरी है। कुछ समय के लिए ब्रेक लेना आलस नहीं है। कई बार खुद को थोड़ा धीमा करना जरूरी होता है, ताकि इसान दोबारा पूरी ताकत के साथ वापस आ सके। मेरा मानना है कि लगातार काम करते रहने को ही मजबूती समझना सही नहीं है। शरीर और दिमाग दोनों को आराम की जरूरत होती है।' एक्ट्रेस ने कहा, 'दूसरों की उम्मीदों का बोझ इस कीमत पर मत उठाओ कि वह आपकी मानसिक शांति पर ही असर डाल दें। मैं हमेशा खुद को याद दिलाती हूँ कि हर किसी को हर समय खुश रखना संभव नहीं है। मैंने धीरे-धीरे अपनी सीमाएं तय करना और जरूरत पड़ने पर 'नहीं' कहना सीखा है। शुरुआत में यह आसान नहीं था, लेकिन समय के साथ मुझे समझ आया कि अपनी शांति को बचाना स्वार्थी होना नहीं है।' उन्होंने आगे कहा, 'जिंदगी का हर दौर गुजर जाता है। हो सकता है कि किसी परेशानी के दौरान हमारे पास सभी सवालों के जवाब तुरंत न हों, लेकिन ऐसे समय में खुद पर भरोसा रखना और खुद को समय देना जरूरी है।



रकुल प्रीत ने जैकी भगनानी को बताया ताकत और सबसे बड़ी सपोर्टर



अभिनेता-निर्माता जैकी भगनानी ने अपनी पत्नी और अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने अपने जीवन में रकुल के साथ होने के लिए आभार व्यक्त किया और उनके

प्रति अपना प्यार जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें देखकर मैं अब भी मुस्कुराए बिना नहीं रह पाता कि मैं कितना भाग्यशाली हूँ। मेरी ताकत, मेरी एकमात्र समर्थक और मेरे जीवन के प्यार को जन्मदिन की शुभकामनाएं। तुम्हारी गर्मजोशी, तुम्हारी असीम ऊर्जा और हमारे घर को सबसे खुशहाल जगह बनाने के लिए धन्यवाद। सपनों को पूरा करने और साथ में खूबसूरत यादें बनाने का एक और साल मुबारक हो। मैं तुमसे प्यार करता हूँ।' तस्वीर में रकुल और जैकी एक-दूसरे के करीब खड़े होकर कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज देते नजर आ रहे हैं। उन्होंने साथ में बिताए कुछ और खुशनुमा पलों की तस्वीरें भी साझा की। दरअसल, रकुल और जैकी ने अक्टूबर 2021 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था, जिससे उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया था। इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते की घोषणा करने से पहले अपनी निजी जिंदगी को काफी हद तक गुप्त रखा था। कुछ वर्षों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद इस जोड़े ने 21 फरवरी, 2024 को गोवा में शादी कर ली। उनकी शादी के समारोह में दोनों परिवारों की परंपराओं को ध्यान में रखते हुए रस्में निभाई गईं। इस जोड़े ने अक्टूबर 2021 में सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को आधिकारिक बनाया और 21 फरवरी 2024 को गोवा में सिख और सिंधी दोनों परंपराओं का सम्मान करते हुए शादी की।



सलमान खान ने लॉन्च अपना नया यूट्यूब चैनल 'बीइंग द सलमान खान'

सलमान खान ने अपना नया यूट्यूब चैनल 'बीइंग द सलमान खान' लॉन्च किया है। इस चैनल के जरिए फैंस उनके सफर को दोबारा देख सकेंगे और उनके व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं को जान सकेंगे। चैनल में एक्टिंग, बॉडी लैंग्वेज और सलमान के खास अंदाज पर ध्यान दिया गया है। इसमें मजेदार तरीके से दिखाया गया है कि पर्दे पर सलमान का अंदाज कैसे उनकी पहचान बना। हाल ही में सलमान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर चैनल का लिंक शेयर किया और फैंस को इसे देखने के लिए कहा। आमतौर पर सेलिब्रिटी अपने यूट्यूब चैनल पर निजी जिंदगी या फिल्मों की शूटिंग के पीछे के पल शेयर करते हैं। लेकिन सलमान का यह चैनल कुछ अलग है। इसमें स्क्रीन पर सलमान के दो रूप नजर आते हैं। एक अनुभवी एक्टिंग और पर्सनैलिटी कोच के रूप में है, जबकि दूसरा एक स्टूडेंट है, जो एक्टिंग सीख रहा है। सलमान ने 22 सितंबर को 'बीइंग द सलमान खान' चैनल लॉन्च किया था। अब तक इस पर 10 वीडियो अपलोड किए जा चुके हैं। कई वीडियो में कोच के रूप में नजर आने वाले सलमान, स्टूडेंट को बॉडी मूवमेंट, डायलॉग बोलने के तरीके और अपने खास अंदाज के बारे में सिखाते हैं। इन वीडियो के जरिए दर्शकों को सलमान की स्क्रीन पर पहचानी जाने वाली खूबियों की मजेदार झलक देखने को मिलती है। चैनल का लिंक शेयर करते हुए सलमान ने लिखा, 'शुरू से शुरू करते हैं। मेरा ऑफिशियल यूट्यूब चैनल। ए से जेड तक सब यहां मिलेगा।'

2020 में आया था ये चैनल

यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने यूट्यूब पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। इससे पहले उन्होंने 2020 में 'सलमान खान फिल्म म्यूजिक' चैनल शुरू किया था। इस चैनल पर करीब 30 लाख सब्सक्राइबर्स हैं। यहां उनकी फिल्मों के गानों के साथ-साथ अलग से रिलीज किए गए म्यूजिक भी मौजूद हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान सलमान ने गायकी में भी हाथ आजमाया था। इस दौरान उन्होंने 'प्यार करोना' और 'तेरे बिना' जैसे गाने रिलीज किए थे। इससे एक्टिंग के अलावा उनके काम का एक और पहलू सामने आया। अब नए चैनल के जरिए वह अपने सफर को नए अंदाज में पेश कर रहे हैं और पर्दे पर बनी अपनी छवि के साथ भी प्रयोग कर रहे हैं।

